जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, मंगलवार 23 अप्रेल, 2024

MARUTI SUZUKI

NEXA

VELOCITY EDITION

TURBO BOOSTERJET

INDIA'S FASTEST 1 LAKH SALES

FRONX

*Claim verified by independent research agency - JATO Dynamics Limited for Fastest to 1Lakh sales in SUV and PV categories since launch on 19-January-2024.

1.0L Turbo Boosterjet Engine with Progressive Smart Hybrid

Front Grille Garnish
Opulent Red

Head Lamp Garnish

Rear Upper Spoiler Extender
Black + Red

NEXA Safety Shield

- DUAL FRONT AIRBAGS
- ABS WITH EBD
- PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
- COMPLIANT WITH -
  - FULL FRONTAL IMPACT
  - FRONTAL OFFSET IMPACT
  - SIDE IMPACT

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO AVAIL EXCITING OFFERS UP TO ₹55 000^.

Contact us at
1800-200-6392
1800-102-NEXA
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

CONTACT YOUR NEAREST NEXA DEALER: BIKANER: NEXA JAIPUR ROAD (AURIC MOTORS PH: 7230081665), **JHUNJHUNU: NEXA JHUNJHUNU CENTRAL** (AURIC MOTORS PH: 7412087314).

Scan to know more.

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

^Terms and Condition apply. Accessories and features shown may not be part of standard equipment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki Smart Finance is now available in Pan- India. All offers are applicable till 30th April 2024 or till stock last.

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

विश्वास का संकट

समाज में जिस तेजी से परस्पर विश्वास का क्षरण हुआ है, उसे देखकर तो यह लगता है कि विश्वास का संकट ही उत्पन्न हो गया है। वैसे तो समाज में कई प्रकार के संकट हैं, किंतु सबके मूल में यदि कोई संकट है, तो वह है विश्वास का संकट। अन्य सभी प्रकार के संकटों से पार पाने के कई प्रकार के उपाय हैं, किंतु विश्वास का संकट एक बार उत्पन्न हो जाए तो उसे दूर करना अत्यंत ही दुष्कर कार्य है। कुछ उदाहरणों से इस स्थिति को समझना उपयुक्त होगा।

सबसे पहले हम पारिवारिक रिश्तों की बात करें। परिवार में पिता और पुत्र के बीच में जो विश्वास पहले था, वैसा आज दिखाई नहीं देता। पिता अपनी संपत्ति अपने जीवनकाल में संतानों में इसलिए विभाजित नहीं करना चाहता कि उसे यह विश्वास नहीं है कि संतानों को संपत्ति मिलने के बाद, वह उनकी देखभाल करेंगे अथवा नहीं? दूसरी ओर संतान यह चाहते हैं कि पिता सारी संपत्ति उन्हीं के नाम पर कर दें ताकि बाद में कहीं उनका विचार बदल न जाए। पति-पत्नी का संबंध पूर्ण विश्वास पर टिका होना चाहिए, किंतु उनमें भी परस्पर विश्वास का अभाव होता जा रहा है। बड़े महानगरों में उच्च शिक्षित युवक-युवतियों तक में विश्वास का संकट इतना अधिक बढ़ गया है कि दोनों एक-दूसरे की जासूसी करने लगे हैं। दोनों यह चाहते हैं कि जब भी उनका जीवनसाथी बाहर जाए तो लाइव लोकेशन, मोबाइल फोन से शेयर कर ले, ताकि वह किससे मिल रहा है, कहां जा रहा है, यह ज्ञात कर सकें। कई बार तो जासूसी करने वाली कंपनियों तक को पत्नी द्वारा यह काम दे दिया जाता है। कितनी विचित्र बात है कि जिनका रिश्ता सात जन्मों का माना गया है, वे ही एक-दूसरे की निगरानी करने में लगे हैं। यह सब परस्पर विश्वास के अभाव का ही परिणाम है, अन्यथा ऐसा करने की आवश्यकता ही क्यों पड़े?

अब हम राजनीतिक क्षेत्र को को ही ले लें। अपने ही दल के विधायकों और सांसदों को किसी रिसोर्ट में ठहराना अथवा बाड़े में बंद कर देना इसलिए आवश्यक मान लिया गया है कि कहीं वह दल बदल करके किसी अन्य के साथ ना चले जाएं। जिस दल के चुनाव चिन्ह पर कोई व्यक्ति चुना जाता है एवं जनता का विश्वास प्राप्त करता है, वही यदि स्वार्थ वश दल बदल कर ले तो यह उस क्षेत्र की जनता के प्रति विश्वास घात ही कहलाएगा। इस प्रकार की घटनाएं पहले से कहीं अधिक होती जा रही हैं। विश्वास बिकने लगा है, बस केवल अच्छी कीमत लगाने वाला होना चाहिए।

जनप्रतिनिधियों पर जनता का विश्वास तो पहले ही बहुत अधिक नहीं था और वह उनके द्वारा किए गए वादों पर अधिक विश्वास नहीं करते थे, किंतु अब तो यह लगभग समाप्त ही होता जा रहा है। राजनीतिक दल, दूसरे दल के नेताओं द्वारा किए गए वादों को केवल जुमला कहकर उनका मजाक तक बनाने लग गए हैं। जो व्यक्ति लाखों लोगों का प्रतिनिधित्व करता हो, यदि वह भी विश्वास पर खरा नहीं उतरे तो फिर समाज और देश का भविष्य क्या होगा, यह विचारणीय है।

एक समय था, जब अखबारों पर बहुत विश्वास किया जाता था। कहा जाता था कि यदि कोई खबर अखबार में छप गई तो वह सही ही होगी। अब तो मीडिया की विश्वसनीयता इतनी कम हो गई है कि लोग यह मान कर चलते हैं कि खबर छपती भी किसी के कहने पर है और छपने से रुकती भी किसी न किसी के कहने पर है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, जहां दृश्य भी साथ में होते हैं, उस पर विश्वास न होने का कोई कारण नहीं होना चाहिए था, किंतु आज 'डीप-फेक' के कारण और तकनीकी विकास के कारण, उसमें भी कई प्रकार के भ्रामक वीडियो बनने लगे हैं। आप टीवी पर जो देख रहे हैं, वह अर्ध सत्य है। आजकल 'पोस्ट-ट्रुथ' का प्रचलन और हुआ है जिसका अर्थ है, एक झूठ को या अर्द्ध सत्य को इस प्रकार से प्रचारित-प्रसारित करें कि लोग उसी को सत्य मान कर अपनी सोच को बना लें अथवा बदल लें। ऐसे समय में, सामान्य नागरिक किस पर विश्वास करे, और किस पर नहीं, यह तय करना बहुत मुश्किल हो गया है। जब सरकारी मीडिया केवल सत्ता पक्ष की बात करने लगा है, तो दूसरा पक्ष प्रस्तुत करने के लिए सोशल मीडिया का उद्भव हुआ और अब कई लोग उस पर अधिक विश्वास करने लगे हैं। कुछ यू-ट्यूब चैनल्स के दर्शकों की संख्या तो लाखों-करोड़ों में है। यह बात भी सत्ता पक्ष को रास नहीं आई है एवं चर्चा है कि सोशल मीडिया को नियंत्रित किया जा सकता है। ट्विटर जिसे आजकल ठेंठ कहा जाता है, के सीईओ एलन मस्क ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा ठेंठ की कुछ पोस्ट हटाने के लिए कहा गया। आशा ही की जा सकती है कि सरकार सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने जैसे अतिवादी कदमों से बचेगी और मीडिया में जनता के विश्वास को और टूटने से बचाएगी।

नेताओं की विश्वसनीयता आजकल कितनी कम हो गई है, कि यदि कोई व्यक्ति विश्वास तोड़ता है तो उसके लिए और कोई विशेषण लगाने की आवश्यकता नहीं है। केवल इतना ही कह देना पर्याप्त होता है–"क्या नेता जैसी बातें कर रहे हो?"

धर्म गुरुओं पर पहले उनके अनुयायी अत्यधिक विश्वास या यों कहें कि अंधविश्वास तक करते थे। आजकल उनकी कही हुई बात पर लोग विश्वास नहीं करते हैं क्योंकि सामान्यत: जैसा वे कहते हैं वैसा आचरण स्वयं भी नहीं करते। धर्म गुरुओं में विश्वास कम होने का मुख्य कारण धर्मगुरु स्वयं हैं। अब क्योंकि उनकी कथनी और करनी में इतना अंतर हो गया है कि धर्म सभा में जाने पर भी लोगों को डर लगने लगा है। जिस प्रकार का व्यवहार कुछ धर्म गुरुओं द्वारा उनकी अनुयायी महिलाओं के साथ किया गया, उसके कारण आजकल महिलाओं को अकेले में तथाकथित धर्मगुरुओं के पास जाने से मना किया जाने लगा है। ऐसी घटनाओं को सुनकर या देखकर, भला अब कौन धर्म गुरुओं पर प्रथम दृष्टया विश्वास करेगा? विश्वास की बढ़ती कमी का दुष्परिणाम यह हो रहा है कि अच्छे और सद्भावी धर्मगुरु पर भी प्रारंभ में विश्वास नहीं किया जाता है, चाहे वह कितना ही श्रेष्ठ क्यों ना हो? इस घटते विश्वास के कारण अच्छे जीवन मूल्यों को जनता में प्रतिष्ठापित करने के प्रयास को भी चोट पहुंची है।

विश्वास करने से कई प्रकार की अनावश्यक काग़ज़ी प्रक्रियाओं में कमी आएगी जिससे लोगों की जिंदगी में परेशानी कम होगी। निष्पक्षता, ईमानदारी और विश्वास के कारण, समाज के सभी वर्गों में परस्पर निर्भरता बढ़ेगी और तब एक और एक मिलकर दो नहीं बल्कि 11 हो जाएंगे। वर्तमान में दुर्भाग्य से, शंका की प्रवृत्ति के कारण, एक और एक मिलकर दो भी नहीं, अपितु शून्य हो जाते हैं।

ग्राहक और विक्रेता में पहले की तुलना में विश्वास बहुत कम हुआ है। पहले यदि कोई मिठाई विक्रेता कहता था कि उसकी मिठाई शुद्ध घी की बनी हुई है तो खरीददार उसे बिना किसी शंका के, मान लेता था। आजकल तो यह भी विश्वास नहीं होता की मावा असली दूध का बना है अथवा सिंथेटिक दूध का। पर्यटन विभाग में निदेशक के रूप काम करते समय मैंने देखा कि कई विदेशी पर्यटक यहां के दुकानदारों पर विश्वास करके कीमती पत्थर के आभूषण खरीद कर ले जाते थे और बाद में उनके नकली निकलने पर वहां से शिकायती पत्र भेजते थे। इस प्रकार की धोखा-धड़ी से जहां देश की छवि को नुकसान पहुंचता है, वहीं इससे यह भी स्पष्ट होता है कि हमारे देश में विश्वास का संकट कितना बढ़ गया है!

चिकित्सा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है। यदि कोई मरीज़ डॉक्टर के पास जाए और वह उसे कुछ टेस्ट या कोई दवाई लिखता है तो यह शंका मरीज के मन में पहले उत्पन्न होती है कि कहीं इस टेस्ट या दवा को लिखने के पीछे कमीशन लेने का भाव तो डॉक्टर के मन में नहीं है, अथवा कोई अनावश्यक टेस्ट तो नहीं लिखे गए हैं। मरीज और डॉक्टर का रिश्ता पूर्ण विश्वास पर टिका होता है। कई बार डॉक्टर को भगवान का दर्जा भी दिया गया है, लेकिन जब इस प्रकार का अविश्वास मरीज और चिकित्सकों के बीच में उत्पन्न हो जाए तो उसे क्या कहा जाएगा? इसी का परिणाम है कि वह एक डॉक्टर पर विश्वास न करके, दो-तीन और चिकित्सकों से राय लेता है। जब किसी डॉक्टर के लिए मरीज का हित सर्वोपरि न रहे और स्वयं का स्वार्थ, प्राथमिक हो जाय तो फिर स्वाभाविक है, ऐसे चिकित्सकों पर विश्वास तो घटेगा ही।

एक समय था, जब परीक्षक पर कोई प्रश्न नहीं उठाता था। विद्यार्थी अपनी परीक्षा देते थे और परिणाम परीक्षक पर छोड़ दिया जाता था। यह बात कभी किसी के मन में नहीं आती थी कि किसी अयोग्य के नंबर बढ़ा कर दे दिए जाएंगे, चाहे वह प्रायोगिक परीक्षा हो, मौखिक परीक्षा हो अथवा लिखित परीक्षा हो। पेपर बनाने वाले अपने परिवार जनों को भी कोई संकेत नहीं देते थे कि परीक्षा में क्या प्रश्न पूछे जाएंगे? आजकल विश्वविद्यालय की या बोर्ड की परीक्षा हो, पर्चे लीक होना आम बात हो गई है। यहां तक कि लोक सेवा आयोग के चयन भी संदेह के घेरे में आ गए हैं। लोक सेवा आयोग के सदस्यों के भ्रष्टाचार में लिप्त होने से जो विश्वास लोगों का सालों से था, उसे बहुत गहरा आघात लगा है।

जन नेताओं और समाज के प्रबुद्ध व्यक्तियों को यह समझना होगा कि विश्वास बहुत मुश्किल से उत्पन्न होता और उसे टूटने में एक क्षण लगता है। एक बार टूटने के बाद दोबारा उसे उत्पन्न करना बहुत दुष्कर कार्य है। हाल ही में एक बड़ी रोचक घटना मेरे साथ हुई। मैं अपनी पत्नी को गांधीनगर रेल्वे स्टेशन पर छोड़ने के लिए गया तो उसी डिब्बे से एक वृद्ध दंपति उतरे जिनके पास सामान अधिक था और पति-पत्नी दोनों को चलने में अत्यंत कठिनाई थी और बड़ी मुश्किल से चल पा रहे थे। उनके लिए सामान उठाकर चलना संभव नहीं था। मैंने उनसे कहा कि वे एक बैग मुझे दे दें ताकि मैं उन्हें बाहर तक पहुंचा सकूं। उन्होंने मुझे झिझकते हुए बैग दिया अवश्य, किन्तु बहुत देर तक वह मुझे इसी शंका की दृष्टि से देखते रहे कि कहीं मैं उनका बैग लेकर चला न जाऊं। इस प्रकार की अवधारणा इसलिए भी बनती है कि कई बार ऐसी घटनाएं आजकल देखने-सुनने में आती हैं। अब क्या हर मददगार को शंका की दृष्टि से देखा जाएगा? अब विश्वास करना एक अपवाद हो गया है और अविश्वास करना सामान्य बात हो गई है।

यह बात सरकार और जनता के बीच में भी लागू हो रही है। सरकार यह मानकर चलती है कि जनता, विश्वास योग्य नहीं है और वह सरकार के नियमों का पालन नहीं करना चाहती है। दूसरी ओर, जनता भी यह मानकर चलती है कि सरकार का काम, आम नागरिक को प्रताड़ित करना और परेशान करना है। महत्वपूर्ण संस्थाओं जैसे– चुनाव आयोग, सीबीआई, सीएजी, इनकम टैक्स, ई डी आदि पर यह विश्वास कम होता जा रहा है कि वे निष्पक्ष रूप से काम करेंगे। बैंक के नोट पर भी सरकार द्वारा लिखा होता है कि वह अंकित राशि धारक को देने का वादा करती है किंतु अचानक सरकार ने नोट बंदी करके एक प्रकार से जनता का विश्वास ही तोड़ा। यदि सरकार नागरिक पर विश्वास करके अपने सारे कानून-कायदे भी विश्वास के आधार पर बनाए, तो जनता का भी विश्वास सरकार में जमेगा। इसका एक सुखद अनुभव मुझे तब हुआ था जब मैं भूमि एवं भवन कर विभाग के निदेशक के रूप में लगभग 30 वर्ष पहले कार्य कर रहा था। इंस्पेक्टर राज को समाप्त करने की दृष्टि से हमने केवल एक निर्णय लिया कि कोई भी भवन मालिक, निर्धारित मापदंड के अनुसार अपनी संपत्ति का मूल्यांकन करके, स्वयं गणना करके देय कर जमा करा दे। विभाग द्वारा उससे किसी प्रकार का प्रश्न नहीं पूछा जाएगा। पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि हमारे इस एक निर्णय से उस विभाग में जहां 20 वर्ष तक कभी राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य पूरा नहीं हुआ था, वह न केवल पूरा हुआ बल्कि लक्ष्य से कहीं अधिक कर राशि विभाग को प्राप्त हुई। साथ ही सरकार की छवि में भी सकारात्मक बदलाव हुआ।

पहले यात्री जब ट्रेन में सफर करते थे, तो सहयात्रियों के साथ घर से लाया गया भोजन आपस में बांट कर खा लिया करते थे। आजकल, यदि आप किसी को चाय या कोई खाद्य पदार्थ देने का प्रयास भी करें तो मन में शंका रखते हुए वह लेने से मना ही करेगा। इसके पीछे भी यही अविश्वास है कि कहीं किसी प्रकार का हानिकारक पदार्थ तो खाने में नहीं मिला दिया गया है।

एक बार शक पैदा हो जाता है, उसका कोई इलाज नहीं कर सकता है। हम यह चाहते हैं कि दूसरा हम पर विश्वास करे किंतु हम दूसरे पर विश्वास नहीं करना चाहते हैं। विश्वास की प्रक्रिया की शुरूआत स्वयं से करनी होगी। हम जिसके भी संपर्क में आएँ, उस पर विश्वास करना प्रारंभ करें। आप मान कर चलिए, जितना विश्वास आप करेंगे, उससे दुगना विश्वास दूसरा व्यक्ति आप पर करेगा। परस्पर विश्वास के कारण, समाज में ऐसा माहौल बनेगा जहां सब एक-दूसरे के साथ विश्वास के आधार पर सहयोग करने के लिए तत्पर होंगे। तब ही कथनी और करनी का अंतर भी समाप्त होगा। विश्वास करने से कई प्रकार की अनावश्यक काग़ज़ी प्रक्रियाओं में कमी आएगी जिससे लोगों की जिंदगी में परेशानी कम होगी। निष्पक्षता, ईमानदारी और विश्वास के कारण, समाज के सभी वर्गों में परस्पर निर्भरता बढ़ेगी और तब एक और एक मिलकर दो नहीं बल्कि 11 हो जाएंगे। वर्तमान में दुर्भाग्य से, शंका की प्रवृत्ति के कारण, एक और एक मिलकर दो भी नहीं, अपितु शून्य हो जाते हैं।

आइए, विश्वास आधारित समाज की परिकल्पना को साकार करने हेतु अपना संकल्प लें और भारतीय समाज को आदर्श समाज बनाने की दृष्टि से हम काम करें। तब हम इस गीत के बोल को सार्थक कर पाएंगे–"तुम मुझको विश्वास दो, मैं तुमको विश्वास दूँ....हम मिलकर इस दुनिया को स्वर्ग बनाएँगे....."

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

हनुमान जयंती पर विशेष

अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता– रूद्रावतार हनुमान

कलराज मिश्र

हनुमानजी भगवान शिव के रूद्रावतार है। अष्ट सिद्धियां और नो निधियां प्राप्त हनुमान शक्ति एवं साहस के प्रतीक हैं। उनकी आराधना से व्यक्ति अपने भीतर स्वयंमेव ऊर्जा का अनुभव करता है। भारतीय संस्कृति में हनुमान भगवान श्री राम की भक्ति के भी अद्भुत उदाहरण हैं। हमारे यहां पौराणिक कथाओं में आता है कि भगवान श्री राम से हनुमान ने यह वरदान मांगा था कि धरती पर जब तक रामकथा हो तब तक उनका भी जीवन बना रहे। इसीलिए आज भी हनुमान पृथ्वी के जीवंत देवता हैं। उनके स्मरण मात्र से जीवन के बड़े से बड़ा संकट दूर हो जाता है, इसलिए वह संकटमोचक हैं।

संत तुलसीदास जी रचित हनुमान चालीसा की चौपाईयां पढ़ेंगे तो पाएंगे हनुमानजी का पूरा जीवन-चरित्र उसमें समा गया है। हनुमान का पूरा जीवन ही प्रेरणा देने वाला है। कथा आती है कि वह जब छोटे बालक थे तब उन्हें एक दिन जोरों की भूख लगी, हनुमान जी ने सूर्य को फल समझ कर निगल लिया। उस समय सूर्यग्रहण था और राहु सूर्य को ग्रस्त करने के लिए आया था। हनुमान जी का विशाल आकार और उनको सूर्य को निगलते देख कर राहु ने डर कर देवराज इन्द्र से शिकायत की। इन्द्र को ऐरावत पर चढ़कर आते देख पवन कुमार ने उसे बड़ा-सा सफेल फल समझा और उसी को पकड़ने के लिए चले। इस पर इन्द्र ने अपने वज्र से हनुमान जी के मुख पर जोरों से प्रहार किया, जिससे उनकी हनु यानी ठुड्डी टेड़ी हो गयी और वे पृथ्वी पर गिर पड़े। इससे कुपित होकर हनुमान के पिता वायुदेव ने अपना प्रवाह रोक दिया, जिससे सबका श्वास अवरुद्ध होने लगा। यह देखकर ब्रह्माजी ने हनुमान जी को पूर्ण स्वस्थ कर उन्हें अमरत्व प्रदान किया और अग्नि, जल, वायु से उन्हें अभय प्रदान किया। इस प्रकार हनु के टेड़ी हो जाने से वे 'हनुमान' कहलाये।

हनुमान माता अंजना के पुत्र हैं। उनके पिता महाराज केसरी हैं। पर वह पवन देव के मानस पुत्र है, इसलिए पवन पुत्र हैं। भगवान श्री राम के परम भक्त हैं, इसलिए रामदूत है। दूत का काम होता है अपने स्वामी का संदेश सुनना-सुनाना। हनुमान जी सारे जगत में अपने स्वामी प्रभु श्री राम का ही संदेश सुनाते हैं। तुलसी रचित रामचरित मानस के सुंदरकांड में हनुमान जी ने हर स्थान पर अपना परिचय अपने नाम के स्थान पर श्री रामदूत के रूप में ही दिया हे।

हनुमान अतुलित बलधाम हैं। उनकी शक्तियों की तुलना किसी और से नहीं हो सकती है। धर्म की रक्षा के लिए उन्हें अमरता का वर मिला। इसलिए कलयुग में भी वह जागृत देव है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, हनुमान हिमालय स्थित गंधमादन पर्वत पर रहते हैं। यह पर्वत अंजनाद्रि के नाम से जाना जाता है, यही हनुमान का जन्म स्थान भी है। बचपन में जब हनुमान जी ने सूर्य को फल समझ कर खाने का प्रयास किया तो समस्त संसार में अंधकार छा गया था। इन्द्र ने उन पर वार किया तो वायुदेव नाराज हुए और चहुंओर प्राणवायु रुक गयी। तब समस्त देवी-देवताओं ने वायुदेव को मनाया और बजरंग बली को दिव्य अस्त्र-शस्त्र भेंद किए। हनुमानजी को कुबेर जी ने गदा प्रदान की। हनुमान जी ने बांए हाथ में गदा धारण की, इसलिए 'वाम हस्त गदा युक्तम' कहे गए। उनकी गदा का नाम है कौमोदकी। इस गदा के एक वार से ही उन्होंने रावण के रथ को तहस-नहस कर दिया था।

हनुमानजी बुद्धि और बल के दाता हैं। भगवान श्री राम ने हनुमान जी को प्रज्ञा, धीर, वीर, राजनीति में निपुण आदि विशेषणों से संबोधित किया है। हनुमानजी बल और बुद्धि से संपन्न हैं। उनको मानसशास्त्र, राजनीति, साहित्व, तत्वज्ञान आदि शास्त्रों का गहन ज्ञान है। बड़ी रोचक कथा है लक्ष्मण मूर्छित होने के समय की। द्रोणगिरी पर्वत से संजीवनी बूटी लेकर जब हनुमान जी लौट रहे थे तब रावण को इस बात का पता चल गया। रावण ने शनिदेव को उनके पीछे लगा दिया। हनुमान जी ने जब अपने बल और बुद्धि से शनि को अपने पैरों के नीचे कुचलकर बांध दिया। शनि बड़ा परेशान हुआ और हार मान ली। कहते हैं तब हनुमान जी ने इस शर्त पर शनि को माफ किया कि कोई भी व्यक्ति शनि से पीड़ित होगा और भगवान श्री राम का जाप करेगा तो वह उसे परेशानी नहीं करेगा। हनुमान इसीलिए संकटमोचक हैं कि वह इसी तरह मनुष्य को हर संकट से मुक्ति का मार्ग दिखाते हैं।

हनुमान मानव जीवन की प्रेरणा के स्त्रोत हैं। वह यह सीख देते हैं कि कैसे अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण रखते हुए कार्य करें और लक्ष्य प्राप्ति तक विश्राम न करें। उनका जीवन श्री राम के हर आदेश का पालन करते हुए उसे सफल तरीके से सिद्ध करते स्वामी भक्ति और निमित्त मात्र होते कार्य करने का संदेश है। बल और बुद्धि का कैसे समुचित उपयोग किया जाए, यह हनुमान जी के जीवन-चरित से समझा जा सकता है। उन्हें जब जरूरत पड़ी तो उन्होंने अपने आपको छोटे स्वरूप में बदल लिया और सुरसा के मुंह के भीतर जाकर बाहर निकल आए और आवश्यकता पड़ने पर उन्होंने पूंछ को बढ़ा कर पूरी लंका को भस्म कर दिया। ऐसे बजरंग-बली के जन्मोत्सव पर उन्हें स्मरण करते, उनसे सीख लेते हुए भव सागर की हर बाधा पार करने का प्रयास करें।

–कलराज मिश्र,
राज्यपाल, राजस्थान

संत पीपाजी ने क्षत्रियों को अहिंसा का मार्ग दिखाया

मिश्रीलाल पंवार

मध्यकालीन भक्ति आंदोलन में उस समय के महान वैष्णव संत जगतगुरु रामानन्दाचार्य जी महाराज का अतुल्य योगदान रहा है। उनके बारह प्रमुख शिष्य थे, जो आज दुनिया भर में अपनी अलग ही पहचान रखते हैं। उन्हीं में एक नाम संत पीपाजी का है। संत पीपा जी गागरोन गढ के राजा थे। उनका नाम प्रताप सिंह था। वे खींचीं चौहान वंश से थे। भगवती के उपासक थे। परम योद्धा थे। मालवा के मुस्लिम शासकों ने जब गागरोनगढ पर आक्रमण किया तो राजा प्रताप सिंह ने उनकी ऐसी धुनाई की कि उन्होंने बाद में कभी गागरोन गढ की तरफ मुड़ कर नहीं देखा। प्रताप सिंह के शासनकाल में फिर कोई आक्रान्ता गागरोन गढ पर आक्रमण करने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। गागरोन गढ नरेश प्रताप सिंह की बारह रानियां थी। सबसे छोटी रानी का नाम पद्मावती था। वे टोडा नरेश डूंगरसिंह की पुत्री थी। बाद में जब प्रताप सिंह ने जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी से दीक्षा ली आदितो उनका नाम संत पीपा जी हो गया। उनकी पत्नी पद्मावती ने भी रामानन्द स्वामी से दीक्षा लेकर पति के साथ संन्यास ग्रहण कर लिया था। सन्यास पथ पर उनका नाम पद्मावती से सीता सहचरी हो गया। सन्यास लेने के बाद पति पत्नी ने भारतभर में भ्रमण कर भटके लोगों को धर्म की रात दिखाई। नाभा गोस्वामी के अमर ग्रन्थ श्री भक्तमाल में संत पीपाजी एवं उनकी पत्नी सीता सहचरी के बारे में काफी विस्तार से लिखा गया है। द्वारका में समुन्द्र में भगवान श्री कृष्ण के साक्षात दर्शन करना, गुजरात के ही घने जंगल में सिंह को उपदेश देना, जैसे अनेक चमत्कारी प्रसंग धार्मिक ग्रंथों में भरे पड़े हैं। गुजरात से भ्रमण करते संत पीपा जी एवं उनकी धर्मपत्नी सीता सहचरी ने राजस्थान में प्रवेश किया। यहां अनेक नगरों का भ्रमण किया। उनका मारवाड़ आगमन हुआ। मारवाड़ में जगह जगह भ्रमण करते अनेक लोगों में भक्ति एवं परोपकार की दिव्य जोत जलाई।

इनके उपदेशों से प्रभावित होकर अनेक राजपूत परिवारों में एक क्रांतिकारी परिवर्तन आया। बड़ी संख्या में लोगों ने इनसे दीक्षा लेकर क्षत्रिय कर्म से मुंह मोड़ लिया। बाद में इन राजपूत परिवारों के सामने जीवन यापन की समस्या खड़ी हो गई। तब संत पीपा जी ने इन्हें शीवनकला अपनाकर जीवन यापन का आदेश दिया। मारवाड़ के अनेक राजपूत परिवारों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर पीपाजी से दीक्षा ले ली और परिवार का पालण पोषण करने के लिए सिलाई कर्म को अंगीकार कर लिया। मारवाड़ में पीपा जी ने लोगों पर गहरा प्रभाव छोड़ा था। यही कारण है कि आज पीपाजी के अनुयायियों की संख्या मारवाड़ में सबसे ज्यादा है। हालांकि इतिहासकारों ने उनके मारवाड़ प्रवास पर कुछ नहीं लिखा। मगर मारवाड़ में उनके अनुयायियों की संख्या देश में सर्वाधिक है। इसलिए यह प्रमाणित हो जाता है कि संत पीपा जी का मारवाड़ आगमन हुआ था। जहां वे लंबे समय तक रहे और क्षित्रय समाज के बड़े वर्ग को शीवन कला से जोड़ा। उसी वर्ग के लोग आज पीपा क्षित्रय समाज के नाम से पूरे विश्व में पहचाने जाते है।

भारतवर्ष के विभिन्न नगरों का भ्रमण करते सीता सहचरी समेत श्री पीपाजी टोडारायसिंह ग्राम आये और गाँव से बाहर कुटी बनाकर रहने लगे। एक दिन संत पीपा जी स्नान करने के लिये गये तो वहाँ एकाएक मुहरों से भरे हुए मटके दिखायी पड़े। उस मिले हुए धन को देखकर वे अपनी कुटिया पर चले आये। रात में सीता सहचरी जी से बताया कि उस सरोवर पर स्वर्णमुद्राओं से भरे मटके पड़े थे। मै छोड़ आया हूँ। सुनकर सीता सहचरी ने कहा, अब आप उस तालाब पर स्नान करने मत जाना। संयोगवश चोरी करने की इच्छा से वहीं कुटिया के पास छिपे हुए चोरों ने यह बात सुन ली। वे तुरंत उसी सरोवर पर गये और जाकर देखा तो उन पात्रों मे साँप-बिच्छु भरे हुए थे। चोरों ने समझा कि वे हमे साँपों से कटवाकर मरवा डालने के लिये ही ऐसी बातचीत आपस मे कर रहे थे। बदला लेने की भावना से उन चोरों ने मुहर भरे सभी मटके उठाए और श्री पीपाजी की कुटी में पटककर भाग गये। जब श्री पीपाजी ने देखा तो सोचने लगे कि सुना तो था कि भगवान जब भी देता है, छप्पर फाड़कर देता है। आज तो भगवान ने छप्पर फाड़कर धन दे दिया है। उन्होंने भगवान का प्रसाद मान उस धन को अपने पास रख लिया और जी भर कर साधु संतों की सेवा में जुट गए। श्रीपीपाजी उस धन से साधु महात्माओं को निमन्त्रण देकर बडे-बडे विशाल भण्डारे करने लगे। असंख्य सन्त प्रसाद पाने लगे। कहते हैं इस प्रकार संत महात्माओं को खिला-पिलाकर सम्पूर्ण धन को श्री पीपा जी ने तीन दिन में समाप्त कर दिया।

-राजा सूर्यसेनमल का संत पीपा जी का शिष्य बनना

आपकी इस विशाल कीर्ति को टोंडारायसिंह नगर के राजा सूर्यसेनमल ने सुना तो वह दर्शन करने के लिये आये और दर्शन करके बहुत प्रसन्न हुए। फिर बडी नम्रता से राजा ने प्रार्थना की और कहा- आप मुझे शिष्य बना लीजिये। जैसी आज्ञा मुझे देंगे मैं वही करूँगा। तब पीपाजी ने राजा की परीक्षा लेकर उसको मन्त्र दीक्षा दी। फिर सम्पत्ति और रानियों को लौटाकर कहा कि सम्पूर्ण राज्य तथा ये रानियां आज से अब भगवान की शरणागत है, इनमें अब ममता न रखना। रानियों को आज्ञा दी कि गरीबों, सन्तो व महात्माओं की सेवा करना। पीपा जी ने अपना अंतिम समय टोंक के टोडारायसिंह नगर में ही बिताया था। और वहीं सीता सहचरी ने संत पीपा जी का साथ छोड़कर भगवान के दिव्य धाम को प्रस्थान किया। कुछ समय पश्चात संत पीपा जी गागरोन नगर आ गए। उनका शेष जीवन एकान्तवास में ही गुजारा। चैत्र माह की कृष्ण पक्ष नवमी को संत पीपा जी भी नश्वर संसार को छोड़कर देवलोक को प्रस्थान कर गए। टोडारायसिंह नगर में आज भी पीपाजी को गुफ़ा के दर्शनार्थ लोग पहुंचते हैं। उनकी गुफा आज भी गागरोन किले के पास काली सिंध और आंहू नदियों के संगम स्थित है। उनके आज भारतवर्ष में अनेक मन्दिर बने हुए हैं। उनके अनुयायियों की संख्या आज लाखों में है। चैत्रीय पूर्णिमा को इनके अनुयाई देश-विदेश में इनकी जयन्ती धूमधाम से मनाते हैं। गुरु नानक देव इनकी रचनाओं से बहुत प्रभावित थे। गुरु नानक देव ने ही इनकी वाणियों को गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल किया।

-मिश्रीलाल पंवार, जोधपुर

पर्यावरण संरक्षण, धरती बचाओ का संदेश दे रहे प्रोफेसर व छात्र

बीकानेर, (निसं)। ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण से धरती को नहीं बचाया गया तो आने वाली पीढ़ियां इसका खमियाजा भुगतेंगी और हमको कोसेंगी। ऐसा न हो इसलिए मांगीलाल बागड़ी राजकीय महाविद्यालय में पर्यावरण बचाने के लिए प्रोफेसर, कर्मचारी और छात्र सप्ताह में शनिवार को साइकिल से आते हैं। इसमें कुछ पैदल कॉलेज आते हैं तो कुछ साइकिल से दूरी नापते हैं। इतना ही नहीं, शनिवार को बाहर से आने वाले विजिटर्स एवं अभिभावकों के लिए भी कॉलेज परिसर में वाहन प्रवेश प्रतिबंधित रहता है। उनको भी वाहन कॉलेज परिसर से बाहर ही छोड़ना पड़ता है। इसके लिए कॉलेज में समय-समय पर पर्यावरण संरक्षण, धरती बचाओ, पौधरोपण आदि कार्यक्रमों से लोगों को जागरूक किया जाता है।

पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि पर्यावरण प्रदूषण से मौसम लगातार बदल रहा है। कहीं तेज गर्मी तो कहीं बारिश का प्रकोप। अफसोस कि प्रतिवर्ष विश्व पृथ्वी दिवस और विश्व प्रकृति प्रतिरक्षण दिवस महज कागजों में ही सिमट कर रह जाते हैं। लोगों में जागरूकता का अभाव इसका बड़ा कारण है। कॉलेज में शनिवार को डेढ़ दर्जन से अधिक सहायक आचार्य व प्रोफेसर, अशैक्षणिक कर्मचारी और सैकड़ों विद्यार्थी वाहन का मोह का त्याग साइकिल से आते हैं। प्रोफेसरों को देखकर छात्र और कर्मचारी भी ऐसा करने को प्रेरित हुए। इससे पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को बढ़ावा मिल रहा है। एमएलबी कॉलेज, नोखा के प्राचार्य डॉ.एस.एन. राजपुरोहित कहते हैं कि पर्यावरण को सुरक्षित करना किसी अकेले के बस की बात नहीं है। इसके लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। बड़े स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाना होगा। वायु प्रदूषण को कम करने के लिए साइकिल को बढ़ावा देना होगा। सभी कॉलेजों ऐसी ही व्यवस्था हो तो बहुत कुछ बदल सकता है।

जेईई-मेन : एन.टी.ए. द्वारा फाइनल आंसर की जारी

कोटा, (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से जेईई-मेन अप्रैल की फाइनल आंसर की जारी कर दी गई। प्रोविजनल आंसर की पर आपत्तियों के बाद जारी की गई फाइनल आंसर-की में 11 जवाबों में बदलाव किया गया है। इसमें 4 ड्रॉप किए गए हैं तथा 7 सवालों के जवाब बदले गए हैं। एक जवाब गुजराती भाषा में बदला गया है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ.बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि एलन के स्टूडेंट्स ने एक्सपर्ट एडवाईज के बाद जिन 15 जवाबों पर आपत्ति दर्ज करवाई थी, इसमें से 6 में बदलाव किया गया है। एनटीए की ओर से किए गए 11 जवाबों के बदलावों में मैथेमेटिक्स के 6 जवाबों में बदलाव किए गए हैं, इनमें 4 जवाबों को ड्रॉप किया गया है। मैथ्स के ही 1 जवाब को गुजराती भाषा में बदलाव किया गया है। कैमेस्ट्री के 5 जवाबों में बदलाव किए गए हैं।

तिथियों के अनुसार हुए बदलावों की बात करें तो 4 अप्रैल को हुई परीक्षा में 4 जवाबों में बदलाव किए गए, इसमें पहली शिफ्ट के 3 तथा 1 दूसरी शिफ्ट का जवाब था। वहीं 5 अप्रैल पहली पारी का 1 जवाब, 6 अप्रैल को 4 जवाब, जिसमें 3 पहली शिफ्ट तथा 1 दूसरी शिफ्ट, 8 अप्रैल को 1 सवाल प्रथम शिफ्ट तथा 9 अप्रैल को पहली पारी के एक जवाब में बदलाव किया गया है।

राशिफल मंगलवार 23 अप्रेल, 2024

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, चित्रा नक्षत्र रात्रि 10:36 तक, वज्र योग रात्रि 4:56 तक, विष्टि करण सांय 4:56 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 9:19 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कुम्भ, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से रात्रि 10:32 तक है। भद्रा सांय 4:22 तक रहेगी। मंगल मीन राशि में प्रात: 8:33 पर प्रवेश करेगा। आज चैत्री पूर्णिमा, सत्य पूर्णिमा व्रत, मन्वादि है। आज बलि हनुमान जन्मोत्सव, सर्वदेव दमनोत्सव है। आज से वैशाख स्नान आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:11 से 10:44 तक, लाभ-अमृत 10:44 से 2:02 तक, शुभ 3:38 से 5:15 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:59, सूर्यास्त 6:51

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय दूर होगा। दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह

व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

तुला

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन में बना हुआ असंतोष दूर होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक और अन्य महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

वृश्चिक

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और बाहर जाना पड़ सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मीन

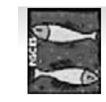

चन्द्रमा अष्टम भाव में है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आर्थिक परेशानी अभी बनी रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 15 संख्याः 354 प्रभात चूरू, मंगलवार 23 अप्रेल, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

बेटे के लिए जालोर-सिरोही में हर घर का दरवाजा खटखटाया गहलोत ने

पर आम लोगों में पूर्व मुख्यमंत्री के प्रति बड़ी फीकी प्रतिक्रिया देखी गई

जालोर, 22 अप्रेल (कासं)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नाक का सवाल बनी जालोर- सिरोही लोकसभा सीट पर अपनी पूरी ताकत झोंकने में लगे हैं। साथ ही, उनके कई नज़दीकी नेता व मंत्री भी कई दिनों से जालोर में डेरा डाले हुए हैं। सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने बेटे वैभव की सीट बचाने के लिए डोर टु डोर सम्पर्क किया। इस दौरान जनता में उनके प्रति क्रेज़ बहुत कम नज़र आया। इसके अलावा मुस्लिम मुसाफिर खाने में हुई मुस्लिम समाज की बैठक में लोगों की संख्या भी कम थी।

जालोर-सिरोही लोकसभा सीट पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गई है। इसलिए उनका पूरा ध्यान केवल जालोर-सिरोही सीट पर केन्द्रित है। छोटी - छोटी बैठकें लेने के बाद सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जालोर शहर के हरिदेव जोशी सर्किल पर डोर टु डोर सम्पर्क कर दुकानदारों से अपने बेटे के लिए मत व समर्थन मांगा। लेकिन इस दौरान लोगों का उत्साह कम नजर आया। जब वे मुख्यमंत्री थे, तब लोग उनकी एक झलक पाने के लिए कतारों में खड़े होते थे, लेकिन आज स्थिति ऐसी है कि, वे अपने बेटे के लिए एक एक कार्यकर्ता से हाथ मिलाकर वोट व समर्थन मांग रहे हैं।

- **मुस्लिम मुसाफिर खाने में हुई मुस्लिम समाज की बैठक में भी आधे से ज्यादा कुर्सियां खाली रहना चर्चा का विषय बन गया है।**
- **प्रधानमंत्री मोदी की सभा के बाद वैभव गहलोत की स्थिति और ज्यादा खराब बताई जा रही है। यही कारण है कि, गहलोत घर-घर जा रहे हैं, पर जनता में उनके प्रति कोई उत्साह नहीं दिख रहा है।**

जालोर में मुस्लिम मुसाफिर खाने में मुस्लिम समाज की एक बैठक रखी गई जिसमें बहुत कम संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल हुए। जिसके लिए कहा जा रहा है कि, लोगों को इसकी सूचना नहीं मिली। बैठक में काफी कुर्सियां खाली रहना भी चर्चा का विषय बना रहा। मुस्लिम समाज के कई लोगों ने यह कहकर रोष भी प्रकट किया कि, उन्हें बुलाया नहीं गया।

पूर्व मु.मंत्री जालोर- सिरोही क्षेत्र को छोड़कर कहीं और जाने का मानस भी नहीं बना रहे हैं।

वे जालोर- सिरोही से लगी सीटों, पाली व बाडमेर तथा उदयपुर से आगे दौरे नहीं कर रहे हैं। उनका पूरा ध्यान किसी प्रकार से अपने बेटे को जिताने पर केन्द्रित है। इसके लिए उनके नजदीकी नेता, संयम लोढा, गोविन्द राम मेघवाल, टीकाराम जूली, मदन प्रजापत सहित कई पूर्व मंत्री व नेताओं ने जालोर में डेरा डाला हुआ है।

कई टीमें वैभव गहलोत के लिए समर्थन मांगने में जुटी हुई हैं। लेकिन लोगों का कहना है कि, प्रधानमंत्री मोदी की सभा के बाद पूर्व मु.मंत्री को ऐसा लग रहा है कि, इस सीट को निकालना मुश्किल है। इसलिए वे अब खुद मैदान में उतर कर डोर टु डोर सम्पर्क करने में जुटे हुए हैं और अपने बेटे के राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं।

प्र.मंत्री मोदी आज टोंक में

टोंक, 22 अप्रेल (निसं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी टोंक-सवाईमाधोपुर क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनापुरिया के समर्थन में मंगलवार को उपखण्ड उनियारा में जनसभा को सम्बोधित करेंगे।

इस संदर्भ में सोमवार को भाजपा के नेता राजेन्द्र राठौड़ मुख्यालय पर जिलाध्यक्ष के मीडिया कार्यालय में प्रेस से मिले। उन्होंने कहा कि, टोंक जिले के उनियारा उपखण्ड में प्रधानमंत्री मोदी की पहली सभा है, जिसमें भारी संख्या में कार्यकर्ताओं और आमजन के पहुंचने की सम्भावना है।

राठौड़ ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के पिछले 10 वर्ष के कार्यकाल में जितनी भी योजनाएं चालू की गई हैं, उनसे समाज का हर वर्ग लाभान्वित हुआ है। आज पूरा देश मोदी की गारन्टी पर ही विश्वास करता है।

- **प्रधानमंत्री उनियारा में भाजपा प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनपुरिया के समर्थन में सभा को संबोधित करेंगे।**

राठौड़ ने यह भी कहा कि, जिस संविधान को बाबा साहेब ने बनाया है उसको छेड़छाड़ करने की हमारी कोई नीयत नहीं है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी उन्होंने पुत्र मोह का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि, मतदान के प्रथम चरण में गत 19 अप्रेल को मतदान का प्रतिशत कम रहने का कारण तेज गर्मी तथा बड़ी संख्या में विवाह समारोह आदि थे।

उन्होंने अन्त में कहा कि, देश में मोदी का मैजिक कायम है और कायम रहेगा।

कांग्रेस ने होर्डिंग को लेकर की चुनाव आयोग से शिकायत

नयी दिल्ली, 22 अप्रैल (वार्ता) कांग्रेस ने होर्डिंग्स में विभिन्न दलों के नेताओं को बदनाम करने वाले चित्र बनाने पर आपत्ति जताते हुए चुनाव आयोग से मुलाकात कर इस बारे में सोमवार को शिकायत दर्ज की।

चुनाव आयोग से मिलने के बाद कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी तथा गुरदीपसिंह सप्पल ने यहां आयोग के कार्यालय के बहार पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा,दिल्ली में अलग-अलग दलों के नेताओं के कैरिकेचर बने होर्डिंग्स लगाए गए है जो कानूनन गलत है। हमने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से की थी और 16 अप्रैल को आयोग ने होर्डिंग्स हटाने का फैसला दिया था लेकिन अब तक आयोग के आदेश पर कार्रवाई नहीं हुई और होर्डिंग्स नहीं हटाए गए।

उन्होंने कहा,हैरानी वाली बात ये है कि, आयोग की टीम कांग्रेस के दफ्तर आई और चुनावी गाइडलाइन का हवाला देकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे की तस्वीर को काले कपड़े से ढकवा दिया लेकिन भाजपा द्वारा लगाए गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के होर्डिंग्स अभी तक नहीं हटाए गए हैं।

सिंघवी ने कहा,हमने चुनाव आयोग से 17 शिकायतें दर्ज की हैं, जिसमें देश के प्रधानमंत्री ने राजस्थान में जिस तरह एक समुदाय के लिए भद्दा वक्तव्य दिया वे आयोग के आदेश का उल्लंघन है। चुनाव आयोग को इस पर सख्त करवाई करनी चाहिए। इस बयान से देश के संविधान, प्रधानमंत्री पद, चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा हो गया है।

उन्होंने कहा,भाजपा सरकार ने गुजरात समेत कई जगहों पर सत्तारूढ़ पार्टी की तस्वीरें लगाई हैं, जो सिर्फ धर्म की बात करती है। सूरत में चुनाव के एक दिन पहले कांग्रेस के एक साथ चार प्रस्तावक बोलते हैं कि, वे हस्ताक्षर मेरे नहीं हैं, उसके बाद वे लापता हो जाते हैं। सबसे बड़ी बात- जितने भी भाजपा के विपक्ष के नेता हैं, सब नामांकन वापस ले लेते हैं। ऐसे में सूरत के चुनाव को स्थगित करना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा,न्यूज 18 चैनल के अमिश देवगन का एक प्रोग्राम भद्दा होने के साथ ही आपसी वैमनस्य, गैरकानूनी और धर्म-पंथ निरपेक्षता के विरुद्ध है, जिसपर प्रतिबंध लगाना आवश्यक है।

पद्म पुरस्कार

नयी दिल्ली 22 अप्रैल (वार्ता) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को यहां एक समारोह में 67 हस्तियों को पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री पुरस्कारों से सम्मानित किया।

मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में तीन पद्म विभूषण, आठ पद्म भूषण और 56 पद्म पुरस्कार प्रदान किए।

राष्ट्रपति ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू , डॉक्टर पद्मा सुब्रमण्यम तथा बिंदेश्वर पाठक को पद्म विभूषण से सम्मानित किया। बिंदेश्वर पाठक को यह पुरस्कार मरणोपरांत दिया गया है। उनकी पत्नी ने राष्ट्रपति से यह सम्मान हासिल किया। इसके अलावा फ़िल्म कलाकार मिथुन चक्रवर्ती , गायिका उषा उत्थुप और उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाइक को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह , विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर और अनेक गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर मौजूद थे।

इजरायली खुफिया प्रमुख ने इस्तीफा दिया

यरुशलम, 22 अप्रैल (वार्ता) इज़राइली सैन्य खुफिया निदेशालय के प्रमुख अहरोन हलीवा ने पिछले साल सात अक्टूबर को फिलिस्तीनी चरमपंथी संगठन हमास के हमले को रोकने में विफल रहने के कारण सोमवार को पद से इस्तीफे दे दिया। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने यह जानकारी दी।

आईडीएफ ने एक्स पर कहा, जनरल स्टाफ के प्रमुख हेर्जी हलेवी के समन्वय में, खुफिया निदेशालय के प्रमुख एमजी अहरोन हलीवा ने आज इस्तीफा दे दिया है। वे खुफिया निदेशालय के प्रमुख के रूप में सात अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा इजरायल पर हुये हमले को रोकने में विफल रहे थे। सैन्य खुफिया प्रमुख हलीवा हमास के हमले संबंधी विफलता को लेकर पद छोड़ने वाले पहले वरिष्ठ इजरायली अधिकारी हैं।

गौरतलब है कि, सात अप्रैल को मिस्र की राजधानी काहिरा में इजरायल-हमास वार्ता का एक नया दौर शुरू हुआ। वार्ता में युद्धविराम प्रस्ताव में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों द्वारा अपनाई गई तीन-चरणबद्ध योजना के प्रथम चरण में 900 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में 40 इजरायली बंधकों की रिहाई का प्रावधान किया गया था। हमास ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया और कहा कि, वे क्षेत्र में संघर्ष को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए अपनी योजना पेश करेगा।

उल्लेखनीय है कि, पिछले साल सात अक्टूबर को हमास ने इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया और सीमा का उल्लंघन किया। हमास के इस हमले में लगभग 1,200 इजरायल के नागरिक मारे गए।

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का खाता खुला

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। भारतीय जनता पार्टी, जिसने गुजरात में वर्ष 2019 में सम्पन्न लोक सभा चुनावों के दौरान सभी 26 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त की थी, उसने इस बार के चुनावों में पार्टी के उम्मीदवार मुकेश दलाल के सूरत लोकसभा सीट से निर्विरोध निर्वाचित घोषित होने के साथ ही अपना खाता खोल दिया है। क्योंकि इस सीट से अन्य सभी उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए हैं।

- **सूरत लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। यहां कांग्रेस के प्रत्याशी का नामांकन खारिज हो गया और शेष ने अपना नाम वापस ले लिया।**

कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी निलेश खुम्मानी का नामांकन इसलिए खारिज हो गया क्योंकि उनके प्रस्तावक ने अपना नाम नामांकन से वापस ले लिया था और शेष 8 निर्दलीय उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए इस के बाद चुनाव आयोग ने एक मात्र उम्मीदवार रहे दलाल को निर्विरोध

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'प्रधानमंत्री मोदी ''इस्लामोफोबिया'' फैला रहे हैं'

कांग्रेस ने मोदी के भाषणों को नफरत फैलाने वाला बताकर चुनाव आयोग से एक्शन लेने को कहा

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर, हाल ही में बांसवाड़ा और अलीगढ़ में हुई चुनावी सभाओं में ''इस्लामोफोबिया'' (मुसलमानों के प्रति भय व घृणा) फैलाने का आरोप लगाया है। इन टिप्पणियों के आधार पर विपक्षी दल कांग्रेस ने, प्रधानमंत्री द्वारा आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने को लेकर उनके विरूद्व कार्यवाही की मांग करते हुए चुनाव आयोग में शिकायत की है।

दूसरे चरण का मतदान होने को हैं, और भाजपा के नेताओं ने स्पष्ट रूप से चुनावी रणनीति बदल दी है। तथा ऐसा प्रतीत होता है कि, सीधे ही मूल हिन्दु मतदाताओं को सम्बोधित करना शुरू कर दिया है। पूर्व में, प्रधानमंत्री ने कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र के लिए कहा था कि, ''लगता है कि यह भारत के विभाजन से पूर्व मुस्लिम लीग द्वारा तैयार किया गया घोषणा पत्र है।''

कल, बांसवाड़ा की एक आम सभा में उन्होंने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया, जब उन्होंने कहा कि, कंाग्रेस की, संपत्तियों की पुनर्वितरण योजना लागू होने से अल्पसंख्यकों और अवैध

- **दूसरे चरण के मतदान से पूर्व प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह से कांग्रेस को मुस्लिम परस्त पार्टी बताया है, उसकी भारी आलोचना हो रही है।**
- **कांग्रेस के घोषणा पत्र को मुस्लिम लीग से जोड़ने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मोदी मुझे समय दें, मैं उन्हें कांग्रेस का घोषणा पत्र समझाना चाहता हूँ।**
- **सभी विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग से इस बयान के लिए प्रधानमंत्री पर कार्यवाही की मांग की। चुनाव आयोग फिलहाल मौन है पर 1987 में इस तरह की भाषण बाजी पर चुनाव आयोग ने शिवसेना नेता बाल ठाकरे पर 6 साल का प्रतिबंध लगाया था।**

घुसपैठियों को लाभ होगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि, यदि कंाग्रेस को वोट देकर सत्ता में लाया गाया तो वो देश की सम्पत्तियों को उन लोगों को दे देगी ''जिनके ज्यादा बच्चे हैं।''

प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि, तत्कालीन प्रधानमंत्री ने वर्ष 2006 में राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक में अपने भाषण में कहा था कि, अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुस्लिमों का राज्य के संसाधनों पर प्रथम अधिकार होना चाहिए। कांग्रेस के नेताओं ने जवाब में कहा कि, मनमोहन सिंह ने भाषण में दलितों, महिलाओं, अन्य पिछड़ा वर्गो एवं दबे-कुचले लोगों के बारे में यह बात कही थी, सिर्फ मुस्लिमों के बारे में नहीं। विपक्षी नेताओं ने प्रधानमंत्री की उक्त टिप्पणियों पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है।

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात का समय मांगा है ताकि वे उन्हें, ''अपनी पार्टी के घोषणापत्र के बारे में समझा सकें।'' मोदी की टिप्पणियों को उन्होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आंध्र प्रदेश में भाजपा के दोनों हाथों में लड्डू

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

-नई दिल्ली, 22 अप्रेल। खण्डित आंध्रप्रदेश के कोनसीमा जिले के वोटर्स से बातचीत करने के बाद यह लगातार स्पष्ट होता जा रहा है कि मुख्यमंत्री एवं युवजन श्रमिक रायतु कांग्रेस पार्टी (वाय.एस.आर.सी.पी.) के प्रमुख वाय.एस. जगनमोहन रेड्डी तेलुगू देसम पार्टी (टी.डी.पी.) द्वारा प्रस्तुत साहसपूर्ण चुनौती से कठिन परिश्रम के बाद पार पा लेंगे। टी.डी.पी. का भाजपा के साथ चुनावी गठबंधन है और वह अब एन.डी.ए. का हिस्सा है।

आंध्रप्रदेश उन दो राज्यों में से एक है जहां लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव भी हो रहे हैं। वृद्ध हो चुके टी.डी.पी. सुप्रीमो एन. चन्द्रबाबू नायडू के लिए राज्य में सत्ता में आने का यह शायद आखिरी मौका भी है।

हालांकि, यहां जगन विरोधी मनोभाव सुस्पष्ट हैं तथा राज्य सरकार के विरुद्ध सत्ता विरोधी लहर भी हैं, लेकिन इसके साथ यह बात भी है कि जगन पांच साल पहले जबसे सत्ता में आए हैं, तब से ही यहां के स्थानीय निवासी पर वास्तव में राज्य के लोग उनकी कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थी रहे हैं। आंध्र का ऐसा एक भी मतदाता नहीं है जो उनकी कल्याणीकारी योजनाओं और धन के प्रत्यक्ष हस्तांतरण से लाभांवित ना हुआ हो। चाहे वह एस.सी. हो, एस.टी. हो, महिला, छात्र, किसान या श्रमिक हो। उसे सरकार से कुछ ना कुछ अवश्य मिलता रहा है। मुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित किया कि वर्ग, जाति और पंथ पर ही केन्द्रित ना रहकर समाज के विभिन्न वर्गों में कल्याणकारी योजनाओं और मुफ्त उपहारों का प्रभावी वितरण हो। उदाहरण के तौर पर गरीब व वंचित वर्ग के प्रत्येक बच्चे को वित्तीय सहायता देने के लिए अम्मा वॉयड, प्रत्येक पंजीकृत वकील को पांच हजार रूपए, ऑटोरिक्शा चालकों की पेंशन और सहायता के लिए वाहन मित्र। कोनसीमा के जिला मुख्यालय अमालापौरम के एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि ''जगन मोहन ने वर्ष 2019 में जब से विधानसभा चुनाव जीता, वह तभी से अपने पुनर्निर्वाचन के जतन करते रहे हैं।

- **राज्य की दोनों क्षेत्रीय पार्टियों, मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की पार्टी और तेलुगुदेशम, में सत्ता के साथ-साथ भाजपा का सान्निध्य पाने की भी होड़ लगी है।**
- **मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी के सामने सरकार विरोधी लहर की कड़ी चुनौती है, पर अपनी लोक कल्याणकारी योजनाओं व खुले हाथों से हर वर्ग को तोहफे देने की नीति से उन्हें चुनाव जीतने की उम्मीद है।**
- **तेलुगुदेशम पार्टी राज्य सरकार के भ्रष्टाचार को जोर-शोर से उठाकर अपनी नैया पार लगाना चाहती है। यही नहीं, वह एन.डी.ए. का हिस्सा भी है।**
- **स्थिति यह है कि, राज्य में चन्द्र बाबू नायडू या जगन मोहन रेड्डी में से कोई भी जीते, दोनों ही दल भाजपा को केन्द्र में समर्थन देने को आतुर हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विदेशी राजनयिकों का दल जोधपुर में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रेल। विभिन्न मिशनों के राजनयिकों का एक सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भारत में राजस्थान के जोधपुर में आया है जो वर्तमान लोकसभा चुनाव के चलते वह यहां 22 अप्रेल से 24 अप्रेल तक भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित चुनाव अभियान का अनुभव लेगा और प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करेगा।

- **भाजपा का चुनाव अभियान देखने आई यह टीम 22 से 24 अप्रैल तक जोधपुर में रहेगी।**

इस राजनयिक प्रतिनिधिमंडल में बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया, रुस व सूरीनाम के राजनयिक शामिल हैं।

इससे पूर्व, ऐसा ही एक प्रतिनिधिमंडल भाजपा के चुनाव प्रचार अभियान का अनुभव लेने वर्ष 2022 में हिमाचल प्रदेश व गुजरात विधानसभा के चुनावों के समय आया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कलकत्ता हाई कोर्ट ने 26000 प्राइमरी स्कूल टीचर्स की नियुक्तियाँ रद्द कीं

हाई कोर्ट ने शिक्षक भर्ती में हुए फर्जीवाड़े के मद्देनज़र यह फैसला सुनाया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार प्राथमिक स्कूल टीचर्स को बर्खास्त करने का आज आदेश दिया। इन टीचर्स की तृणमूल सरकार के वैस्ट बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन ने नियुक्ति की थी।

जैसे कि, तृणमूल कांग्रेस सरकार और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के दु:खों का कोई अंत ही ना हो, कलकत्ता हाईकोर्ट ने पूर्व जज अभिजीत गांगुली द्वारा दिए गए आदेश की आज पुष्टि कर दी। कोर्ट ने 26 हजार से अधिक टीचर्स की नियुक्ति को रद्द करते हुए जस्टिस गांगुली के आदेश को यथावत रखा। इन टीचर्स की भर्ती परीक्षा और भर्ती की पूर्ण प्रक्रिया द वैस्ट बंगाल स्कूल सर्विसेस कमीशन ने संचालित की थी। इस प्रक्रिया को एक प्रत्याशी, जिसे नियुक्ति देने से इंकार कर दिया गया था, ने कोर्ट में चुनौती दी थी।

यह पाया गया कि स्कूल सर्विस कमीशन ने ब्लैक लिस्टेड शैडो कम्पनियों के जरिए भर्ती की एक अस्पष्ट प्रक्रिया का अनुसरण किया था। जस्टिस गांगुली के समक्ष रखीं गईं प्रथम दृष्टया जांच रिपोर्टों से गंभीर अनियमितताओं का पता चला था, जैसे कि अधिक अंक लाने वाले अभ्यर्थी को बाहर कर दिया गया, जबकि एस.एस.सी. परीक्षा में कम अंक लाने वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी गई।

यह ''धन के बदले नौकरी'' का घोटाला था और चयन प्रक्रिया में शामिल लोगों ने पात्र की जगह अपात्र को नियुक्ति देने के लिए रिश्वत ली थी।

- **ये नियुक्तियाँ स्कूल सर्विस कमीशन ने की थीं। आरोप है कि, ये नियुक्तियाँ ''जॉब्स फॉर कैश'' के आधार पर हुई थी और प्राथमिक जांच के आधार पर पूर्व जज जस्टिस गांगुली ने इन्हें रद्द कर दिया था। कलकत्ता हाई कोर्ट ने जस्टिस गांगुली के फैसले को कायम रखा।**
- **नियुक्तियों में भारी भ्रष्टाचार के कारण जस्टिस गांगुली ने सी.बी.आई. जांच के आदेश दिए थे। सी.बी.आई. टीम की रेड के दौरान शिक्षा मंत्री पार्थो चटर्जी के घर करोड़ों रूपए मिले थे। उसके बाद से पार्थो चटर्जी जेल में हैं।**
- **कलकत्ता हाई कोर्ट के इस फैसले का चुनावों में तृणमूल को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है, इस फैसले ने तृणमूल के प्रति जनता का विरोध और बढ़ा दिया है।**

प्राथमिक खुलासों के आधार पर जस्टिस गांगुली ने सी.बी.आई. को इस मामले की पूर्ण जांच-पड़ताल करने के निर्देश दिए थे। जांच कार्रवाई के दौरान सी.बी.आई. शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी के घर भी पहुंची थी और उनके एक आवास से नकदी बरामद की गई थी।

उसके बाद पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया गया। अब वह अपनी एक महिला मित्र के साथ राज्य की एक जेल में हैं।

तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं की इस गोरख धंधे से दूरी बनाते हुए अपयश के भागी अपने मंत्री को तुरंत पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

इसके बावजूद, राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इन अनियमितताओं का यह करते हुए अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन किया था कि जिन टीचर्स को पहले ही नियुक्ति दी जा चुकी है उन्हें बर्खास्त ना किया जाए। इसका मतलब यह हुआ कि पात्र अभ्यर्थी बिना किसी नौकरी के परेशान होते रहेंगे। नियुक्ति ना पा सकने वाले बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पिछले दो वर्षों से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

चुनाव प्रक्रिया के बीच में सुनाए गए इस निर्णय और उसके बाद राज्य सरकार की भर्ती प्रक्रिया की भारी आलोचना से जनता के बीच सरकार की छवि खराब होगी, लेकिन ममता बनर्जी ने कोर्ट के फैसले की प्रतिक्रिया में उन अभ्यर्थियों को आश्वस्त करने की कोशिश की, जिन्हें अब बर्खास्त किया जा चुका है।

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ममता बनर्जी सरकार इस संकट से कैसे निबटेगी। सरकार द्वारा नियुक्त टीचर्स अपनी नौकरियों से हाथ धो बैठते हैं, और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल की रिहाई की याचिका खारिज

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को उनके विरूद्ध दर्ज सभी आपराधिक केसों में एक असाधारण अंतरिम जमानत दिए जाने की मांग को लेकर दायर याचिका दायर करने वाले पर

- **दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर 75,000 रू. का जुर्माना भी लगाया। याचिकाकर्ता ने सभी अपराधिक केसों में केजरीवाल को जमानत देने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी, वो भी केजरीवाल से बिना पूछे।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोगों ने बहुमत के साथ भाजपा को जिताने का संकल्प ले लिया है : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने भागीरथ चौधरी के समर्थन में सभा की, कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं को चुनावी परीक्षा में सफल होने के लिये जीत का मंत्र देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोगों ने प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा को जिताने का संकल्प ले लिया है, कार्यकर्ता एकजुटता के साथ प्रत्येक बूथ पर ऐतिहासिक जीत का लक्ष्य तय करें, ताकि प्रधानमंत्री मोदी के सपनों को साकार किया जा सके। मुख्यमंत्री सोमवार को भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी के समर्थन में किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन सभागार में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संभोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी के समर्थन में किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन सभागार में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया।

■ **'कार्यकर्ता एकजुटता के साथ प्रत्येक बूथ पर ऐतिहासिक जीत का लक्ष्य तय करें ताकि प्रधानमंत्री मोदी के सपनों को साकार किया जा सके'**

उन्होंने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि दुकान बंद हो चुकी है, केवल झूठ के सहारे लोगों को गुमराह किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर में धारा 370 हटाने के अलावा अयोध्या में भगवान श्रीराम को मंदिर में विराजमान करने का क्रान्तिकारी निर्णय किया है, आगे भी आमजन की भलाई के लिये फैसले लिये जायेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि हमने घोषणा पत्र में जो वादे किये वह पूरे किये जा रहे हैं।

विधानसभा प्रभारी कवल प्रकाश किशनानी, किसान आयोग अध्यक्ष सी आर चौधरी, बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत, विरेन्द्र सिंह कानावत, किशनगढ़ नगर परिषद सभापति दिनेश सिंह राठौड़, जिलाध्यक्ष देवीशंकर भूतडा, रमेश सोनी व वीरमदेव सिंह ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा उम्मीदवार भागीरथ चौधरी को भारी मतों से विजय बनाने के लिये आव्हान किया। पूर्व विधायक सुरेश टाक, मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष सुधीर जैन ने भी मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

इस दौरान भाजपा नेता किशन गोपाल दरगड़, सुभाष चौधरी, प्रतापसिंह शेखावत, विमल बड़जात्या, सुनील दरड़ा, हरिराम बाना, महेंद्र पाटनी, चेतन चौधरी, शम्भू शर्मा, शशिकांत पाटोदिया, राजीव शर्मा, दीपेश गुप्ता, हिम्मत सिंह, पंकज पहाड़िया, सूर्यप्रकाश शर्मा, विपुल चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता रहे मौजूद रहे। पूर्व पार्षद एडवोकेट रुपेश शर्मा ने कांग्रेस से त्यागपत्र देकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सभापति दिनेश सिंह राठौड़ ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

उपमुख्यमंत्री बैरवा ने ओम बिरला के समर्थन में वोट मांगे

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला के समर्थन में तीन सभायें की

कोटा-बूंदी लोकसभा प्रत्याशी ओम बिरला के समर्थन में उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने आमसभा को संबोधित किया।

कोटा, (निसं)। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने सोमवार को कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला के समर्थन में तीन सभाओं को संबोधित किया। डॉ. बैरवा ने अयाना में अयानी रोड स्थित हाट मैदान में सभा की। इसके बाद खातौली में थाने के पीछे स्थित सब्जी मंडी परिसर और शाम को लाखेरी में बालाजी मैरिज गार्डन में विजय संकल्प सभा की।

■ **कांग्रेस ने अम्बेडकर को अपमानित किया, भाजपा ने भारत रत्न दिया : बैरवा**

डॉ. बैरवा ने कहा कि बाबा साहेब अम्बेडकर को भारत रत्न देकर तथा अनुसूचित जाति के लिए पंच तीर्थ निर्माण कर भारतीय जनता पार्टी ने एससी समाज का मान सम्मान और गौरव बढ़ाया है। कांग्रेस ने बाबा साहेब का अपमान किया जबकि भाजपा ने दलित समाज के बेटे को राष्ट्रपति बनाकर दलितों को गौरव प्रदान किया। डॉ. बैरवा ने कहा कि बहन-बेटियों की चिंता करते हुए पीएम मोदी ने घर-घर में शौचालय बनाया। हमारी बहन और बेटियों को उज्ज्वला गैस सिलेंडर दिया और बैंक में जीरो बैलेंस का खाता खुलवाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गरीब तबके से आते हैं और गांव-गरीब की पीड़ा को जानते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में दलित समाज से मुझे उपमुख्यमंत्री बनाकर हमारा गौरव बढ़ाने का काम किया है। बैरवा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह साबित किया है कि गरीब का कोई धर्म, जाति नहीं होती। उन्होंने पिछड़ों, दलित, शोषित और पीड़ितों का मान बढ़ाने का काम किया है। पीएम मोदी के विकसित भारत की संकल्पना में पिछड़ा, दलित, गरीब सबको मुख्यधारा में लाकर जीवन स्तर में सुधार करना है। उन्होंने गरीबों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को घर-घर भेज दिया।

डॉ. बैरवा ने कहा कि कांग्रेस के शासन में दलित अत्याचार में राजस्थान नंबर वन था। राजस्थान की सरकार गरीब को गणेश मानकर काम कर रही है। वंचितों को आगे बढ़ाया जा रहा है। इससे पहले पूर्व मंत्री रामगोपाल बैरवा ने कहा कि पीएम मोदी की अनुसूचित जाति के लिए लाई गई योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए, एससी समाज के विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर से तीसरी बार चुनना होगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसद के रूप में 10 साल में जनता की सेवा की है। वे सुख-दुख में जनता के भागीदार रहे हैं। कोरोना का समय हो या क्षेत्र में बाढ़, ओम बिरला हमारे बीच हमेशा मौजूद रहे। हमें गुमराह करने वाले लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। पीपल्दा विधानसभा क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए डबल इंजन की सरकार जरुरी है। भाजपा ही क्षेत्र में विकास की गंगा बहा सकेगी।

बिरला का 36 कौम से नाता :- डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 36 कौम के नेता हैं। वे हमेशा गरीबों के बीच रहते हैं। दलितों और पिछड़ों के लिए उनके हृदय में विशेष स्थान हैं। राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पर वह दलितों की झौपड़ियों में पहुंचे और वहां दीया जलाकर उनके घर को रोशन किया। उनके साथ उन्हें घर का बना भोजन भी किया। जो दिखाता है कि वे सबके साथ समभाव रखते हैं। कार्यक्रम में पूर्व विधायक प्रभुलाल वर्मा, हेमराज मीणा, पूर्व जिला प्रमुख गोविंद सिंह परमार, पूर्व प्रधान मानवेंद्र सिंह हाड़ा, विजयशंकर नागर, प्रधान रिंकू मीणा, बाबूलाल बैरवा, रामरतन बैरवा, गिरिराज चौधरी, ओम मीणा, मुकेश कुदालिया, आनंद गर्ग, बाबूलाल बैरवा, मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश मीणा, नगर अध्यक्ष श्रवण चक्रकार, सुरेश बैरवा समेत कई लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने ओम बिरला के समर्थन में रोड शो किया

सीएम भजनलाल व डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट मांगे

बूंदी, (निसं)। कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला के समर्थन में सोमवार को बूंदी में रोड शो निकाला गया। रोड शो में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी शामिल हुए जिन्होंने आमजन से भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

इससे पहले बूंदी पहुंचने पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी पुलिस लाइन स्थित हेलीपेड पर जिला अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल पूर्व विधायक अशोक डोगरा सहित भाजपा पदाधिकारी ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला ने भूरा गणेश मंदिर पर गणपति भगवान की पूजा-अर्चना की। पूजा-अर्चना के बाद रोड शो शुरू हुआ जो अहिंसा सर्किल, इंदिरा मार्केट, नागर सागर कुंड, कोटा रोड, एक खंभे की छतरी, देवली रोड होता हुआ आजाद पार्क स्थित सभा स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुआ। रोड शो के दौरान शहर में सामाजिक संगठनों और भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा तोरण द्वार लगा कर मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और भाजपा प्रत्याशी का फूल माला पहनाकर, पुष्प वर्षा कर व साफा बंधवाकर स्वागत किया गया। रोड शो में बूंदी विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में आये भाजपा कार्यकर्ता और आमजन शामिल हुए।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी झूठ व लूट की पार्टी है। भाजपा का अबकी बार 400 का नारा पूरा होगा और केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार होने से देश के साथ-साथ राजस्थान प्रदेश का भी विकास होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने जो जनता से वादे किए थे उन्होंने पूरे किए हैं। आम सभा को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला ने भी संबोधित किया। अंत में जिलाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने सबका आभार प्रकट किया।

रोड शो के दौरान फटा जीप का रेडिएटर :- सभा स्थल से 100 मीटर दूर जिस जीप में सीएम सवार थे उस जीप का रेडियटर अचानक तेज आवाज के साथ फट गया। जीप से धुआं निकलते ही सीएम के सुरक्षाकर्मी ने सीएम भजनलाल को जल्दी से नीचे उतार दिया। जीप में डिप्टी सीएम दिया कुमारी, भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला भी सवार थे। इस दौरान भगदड़ जैसी स्थिति हो गई। जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने मोर्चा संभालते हुए मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री व भाजपा प्रत्याशी को पैदल ही सभा स्थल तक लेकर पहुंचे।

मुख्य सचिव सुधांश पंत जोधपुर पहुंचे

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत सोमवार को जोधपुर पहुंचे। पंत सीधे पचपदरा स्थित रिफाइनरी के लिए रवाना हुए। पंत रिफाइनरी से जुड़े मुद्दों की समीक्षा करेंगे। रेलवे स्टेशन पर कलेक्टर गौरव अग्रवाल, रेंज आईजी विकास कुमार और पुलिस कमिश्नर राजेंद्र सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने उनकी अगवानी की।

रेलवे स्टेशन पर मुख्य सचिव सुधांश पंत की कलेक्टर गौरव अग्रवाल, रेंज आईजी विकास कुमार सहित अधिकारियों ने अगवानी की।

मुख्य सचिव ने रेलवे स्टेशन पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि पचपदरा रिफाइनरी और वहां बनने जा रहे पेट्रो केमिकल कॉम्प्लेक्स, रीको के इंडस्ट्रियल एरिया को लेकर कुछ इश्यू हैं। रिफाइनरी के कामों पर समीक्षा बैठक के लिए वह आए हैं। आचार संहिता के बीच इस तरह की समीक्षा बैठक के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह सामान्य बैठक है। अधिकारी कामों को लेकर बैठक कर रहे हैं। यह प्रोजेक्ट चुनाव से पहले से चल रहा था। इसमें चुनाव व आचार संहिता से कोई लेना-देना नहीं। मुख्य सचिव ने बताया कि एचपीसीएल, एचआरआर के अलावा केंद्र सरकार के खान एवं पेट्रोलियम विभाग के अधिकारी के साथ बैठक होगी। उन्होंने कहा कि प्रयास इस बात का किया जाएगा कि इस प्रोजेक्ट को अब इसी साल पूरा किया जाए। मुख्य सचिव सुधांशु पंत के आगमन को देखते हुए एक दिन पहले रविवार को भी पूरा जिला प्रशासन सजग रहा। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपने कामों की पेंडेंसी की सूची बनाकर रखें। ऑफिस में फाइल की पूरी जानकारी उनके पास रहे। इसके अलावा कोई भी अधिकारी कर्मचारी अनुपस्थित नहीं रहे।

वृद्ध की हत्या करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। जिले के बावलवाड़ा थाना क्षेत्र में आपसी रंजिश के चलते कुल्हाड़ी से हमला कर वृद्ध की हत्या करने के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया।

■ **मामले में पूर्व में एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया था**

प्रकरण के अनुसार जिले के बावलवाड़ा थाना क्षेत्र गराजा गांव निवासी लालसिंह (70) पुत्र कालुसिंह की उसके पड़ोसी गराजा निवासी मगनसिंह पुत्र पूनसिंह तथा अमरसिंह पुत्र नानसिंह कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर फरार हो गए। एक अप्रेल को लालसिंह अपने मकान के आंगन में सोया था। इस दौरान आरोपी कुल्हाड़ी से हमला कर फरार हो गए। इसका पता चलने पर परिजन उसे उपचार के लिए बावलवाड़ा चिकित्सालय ले गए। जहां से रेफर करने पर डूगरपुर चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलने पर बावलवाड़ा थानाधिकारी करणवीरसिंह ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

इस मामले में जिला पुलिस अर्धीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीखक राजीव राहर के सुपरविजन में बावलवाड़ा थानाधिकारी कर्णवीरसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर फरार अमरसिंह पुत्र नानसिंह निवासी गराजा को जंगलों से गिरफ्तार किया। इस मामले में पूर्व में आरोपी मगनसिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भिजवाया था। होली से पूर्व लालसिंह के पोते के साथ मगनसिंह द्वारा मारपीट करने की जानकारी सामने आई थी।

93 साल के वृद्ध की निजी अस्पताल में मौत

परिजन ने डॉक्टर्स पर लापरवाही का आरोप लगाया

जोधपुर, (कासं)। शहर के रेजीडेंसी रोड स्थित एक निजी अस्पताल में वृद्ध व्यक्ति को उपचार के लिए भर्ती करवाया गया, मगर उनकी उपचार के बीच में मौत हो गई। वृद्ध की मौत को लेकर परिजन ने विरोध जताया। पुलिस ने शव को एमजीएच भिजवाने के बाद आज कार्रवाई कर परिजन को सौंप दिया। फिलहाल मामले में मर्ग की रिपोर्ट दी गई है। पुलिस की तरफ से अग्रिम जांच की जा रही है। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया है।

■ **शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया**

सरदारपुरा थानाधिकादी दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि सरस्वती नगर बासनी प्रथम फेज निवासी प्रवीण कुमार प्रसाद पुत्र चन्द्रप्रकाश ने मर्ग की रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि उसके पिता चन्द्रप्रकाश की तबीयत खराब होने 11 अप्रेल को रेजीडेंसी रोड स्थित एक निजी चिकित्सालय में गोयल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था।

सब कुछ नार्मल था। मगर उसके पिता का शनिवार को निधन हो गया। उसके पिता की उम्र 93 साल थी। प्रवीण कुमार ने इलाज में कोताही बरते जाने का आरोप लगाया है। थानाधिकारी दिलीपसिंह ने बताया कि शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया है। डॉक्टर्स पर आरोप लगाने की भी जांच की जा रही है।

पुलिस ने मानसिक विक्षिप्त महिला को परिवार से मिलाया

महिला पिछले 5-7 दिन से जयपुर के एक अस्पताल से लापता थी

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना पुलिस ने मानसिक रूप से बीमार एक महिला को उसके बिछड़े परिवार से मिलवाकर मानवता की अनूठी मिसाल पेश की है।

■ **महिला रामेश्वरी देवी निवासी मोहडवास जिला टोंक सड़क दुर्घटना में घायल हो गई थी**

जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले मानसिक विक्षिप्त महिला रामेश्वरी देवी (37) साल निवासी मोहडवास जिला टोंक एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गई थी। जिस पर महिला को जयपुर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया था लेकिन 5-7 दिन बाद ही इलाज के दौरान यह मानसिक विक्षिप्त महिला अस्पताल से फरार हो गई। वहीं घूमते फिरते महिला ग्राम टोरडा ब्राह्मणान में पहुंची। जहां इसके साथ इसका बेटा गणेश जिसकी उम्र 5-6 साल है उसके पास एक फोन था जिसके द्वारा ग्रामीणों द्वारा उस महिला के परिजनों को महिला के बारे में अवगत करवाया गया। वहीं प्रागपुरा थाना पुलिस को भी सूचित किया गया। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच करते हुए महिला का स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया जिसमें सड़क दुर्घटना के दौरान लगी चोटों की भी पुष्टि की गई। प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश मीणा के निर्देशन में पावटा चौकी प्रभारी अमित शर्मा, एएसआई सायर मल द्वारा मानसिक विक्षिप्त महिला रामेश्वरी देवी को परिजनों से पहचान करवाकर सुपुर्द किया गया। परिजनों से पता चला कि मानसिक विक्षिप्त महिला रामेश्वेरी देवी 5-7 दिनों से जयपुर अस्पताल से लापता थी।

पवन खेड़ा ने गुंजल के समर्थन में प्रचार किया

कोटा, (निसं)। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा सोमवार को कोटा के दौरे पर रहे। यहां पार्टी प्रत्याशी प्रहलाद गुंजल के समर्थन में प्रचार करने के बाद खेड़ा मीडियाकर्मियों से मुखातिब हुए। इस दौरान उन्होंने भाजपा और एनडीए गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। साथ ही कोटा-बूंदी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला पर भी हमला बोला। पवन खेड़ा से जब पूछा गया कि कांग्रेस पूरी सीटों पर चुनाव ही नहीं लड़ पाई तो इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इस बार लोकतंत्र को बचाने के लिए काफी समझौते किए हैं। इंडिया गठबंधन को मजबूती के लिए ये जरूरी था। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी और मजबूत पार्टी है। हम भाजपा की तरह नहीं हैं। पहले शिवसेना के साथ सरकार बनाई फिर उसे धोखा दे दिया और शिवसेना को ही तोड़ दिया। प्रधानमंत्री की फेस की सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि हमारे पास कई चेहरे हैं। उनके पास चेहरा नहीं है। उन्होंने पीएम मोदी को छोटा और अमित शाह को मोटा भाई कहते हुए कहा कि पिछले 30 साल में उन लोगों ने जो किया है अगर हम कहेंगे तो लोग उनका नाम लेना बंद कर देंगे। इस दौरान अध्यक्ष शहर रविंद्र त्यागी भी मौजूद रहे।

'अलवर में भूपेंद्र यादव का सिक्का चलेगा या भंवर जितेंद्र सिंह का कद बढ़ेगा'

अलवर, (निसं)। केंद्र सरकार में वन एवं पर्यावरण मंत्री व अलवर सीट से लोकसभा प्रत्याशी भूपेंद्र यादव की जीत और हार दोनों की आवाज देश के कोने-कोने तक जाएगी। वैसे प्रत्याशी से लेकर पूरी बीजेपी जीत को लेकर आस्वस्थ है लेकिन यह चुनाव है, जनता किसे हरा दे और किसे सिर पर बैठा ले कुछ नहीं कहा जा सकता है। वैसे कांग्रेस के साथ-साथ भाजपा के भी कुछ नेताओं की धड़कनें हार और जीत को लेकर बढ़ी हुई है।

भूपेंद्र यादव।

भंवर जितेंद्र सिंह।

■ **भूपेंद्र यादव की जीत और हार दोनों की आवाज देश के कोने-कोने तक जाएगी**

■ **इस बार की हार और जीत अलवर में आफत का काम करेगी या किस्मत के बंद ताले को खोलने वाली भी होगी**

चर्चा है कि अलवर की राजनीति में भूपेंद्र यादव का सिक्का चलेगा या फिर भंवर जितेंद्र सिंह यादव का कद बढ़ेगा। सबसे ज्यादा चर्चा अलवर तिजारा व किशनगढ़ बास बहरोड मुंडावर को लेकर की जा रही है। अलवर में भाजपा के विधायक होने के साथ-साथ संजय शर्मा राजस्थान सरकार में मंत्री है। तिजारा से भाजपा के विधायक महंत योगी बालकनाथ जो भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष भी है तो बहरोड से विधायक डॉ. जसवंत यादव है जो पूर्व में भाजपा सरकार में मंत्री रहे हैं। किशनगढ़ बास में पूर्व विधायक रामहेत यादव की प्रतिष्ठा जुड़ी है। मुंडावर इसलिए चर्चा में है कि वहां से कांग्रेस प्रत्याशी ललित यादव वर्तमान में विधायक है।

कांग्रेस के ललित यादव तिजारा-बहरोड-मुंडावर और किशनगढ़ बास में यादव वोटों को विभाजित कर भाजपा के भूपेंद्र यादव को कितनी टक्कर दे पाते हैं यह दोनों यादव प्रत्याशियों की जीत और हार में बड़े निर्णायक रहने वाला है। भाजपा प्रत्याशी और विधायकों के लिए चिंता का कारण पोलिंग प्रतिशत का कम होना है। बहरोड में पहले के चुनाव से 12 प्रतिशत से अधिक पोलिंग कम रही है। तिजारा में 7.46 व किशनगढ़ बास में 4.59 तथा मुंडावर में 6.45 प्रतिशत वोट पहले से कम पड़े हैं। किशनगढ़ बास और तिजारा में यादव वोटों के साथ बड़ी संख्या मेव वोटों की है जो सीधा कांग्रेस के पक्ष में जाता है।

इसमें देखने वाली बात यह रहेगी कि बसपा से चुनाव लड़ रहे फजल हुसैन को कितने वोट मिलते हैं। लोगों का मानना यह है कि फजल हुसैन जितने अधिक वोट उठाते हैं उतना ही नुकसान कांग्रेस को होता है और भाजपा को फायदा मिलता है। भाजपा के अंदर ही अंदर एक चर्चा यह भी है कि कुछ नेताओं ने भाषण तो बड़े-बड़े दिए हैं लेकिन अपने लोगों को वोट निकालने और मांगने के काम नहीं लगाया है। अलवर के जो फैसले कांग्रेस में भंवर जितेंद्र सिंह के पास रहे हैं। ठीक उसी प्रकार भूपेंद्र यादव जीते तो अलवर भाजपा के फैसले भूपेंद्र यादव के पास होंगे। भूपेंद्र यादव मोदी-अमित शाह के विश्वास पात्र हैं तो भंवर जितेंद्र सिंह सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बेहद करीबी और विश्वासपात्र है। दोनों ही नेता अपनी-अपनी पार्टी में देश के बड़े हस्ताक्षर हैं।

भाजपा में एक चर्चा और चली है कि भूपेंद्र यादव अलवर से चुनाव जीते तो केंद्र सरकार में मंत्री बनेंगे फिर राजस्थान सरकार में किसी यादव को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने वाली है। यह हो सकता है कि यादव वोटों को विभाजित करने के लिए फैलाई गई हो। वहीं अब सबको 4 जून का आने वाले रिजल्ट का इंतजार है और देखना है कि अलग-अलग राज्यों में प्रभारी रहते भाजपा को जीत दिलाने वाले भूपेंद्र यादव का कुशल प्रबंधन उन्हें अलवर में जीत दिलाने में कितना कामयाब होता है।

मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष का संभाला पदभार

झुंझुनूं,(निसं)। कांग्रेस नेता और राजस्थान मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष एमडी चोपदार ने सोमवार को एक बार फिर जयपुर में अपना कार्यभार ग्रहण किया। दरअसल इसी साल फरवरी में भाजपा सरकार ने एमडी चोपदार की नियुक्ति को रद्द कर दिया था।

जिस पर एमडी चोपदार ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जहां पर हाईकोर्ट ने नियुक्त रद्द करने के आदेशों पर रोक लगा दी। जिसके बाद सोमवार को एमडी चोपदार जयपुर पहुंचे और अपना कार्यभार ग्रहण किया। एमडी चोपदार के कार्यभार ग्रहण करने की खुशी झुंझुनूं में उनके समर्थकों में देखी गई। चोपदार ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद बताया कि वे चाहते है कि पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के समय जो काम मदरसा बोर्ड ने शुरू किए थे। वो पूरे हों। इसके लिए वे पूर्व में भी प्रयासरत थे और आगे भी रहेंगे।

चोपदार ने कहा कि, उन्हें किसी पद की लालसा नहीं है। क्योंकि वे मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष होने के नाते जो भी सुविधाएं मिलती है। वो कोई भी सुविधा ना तो पूर्व में ले रहे थे और ना ही आगे लेंगे। लेकिन उन्होंने संकल्प लिया है कि राजस्थान के मदरसों को हाईटेक बनाया जाए। मदरसों में तालीम लेकर बच्चे उच्च पदों पर बैठे। इसलिए वे इस मिशन को पूरा करने के लिए संकल्पबद्ध है।

कलेक्ट्रेट परिसर में पानी एकत्रित होने से लोग परेशान, प्रशासन बेखबर

चूरू,(कासं.)। चूरू में प्रशासन ने लापरवाही की सभी हदें पार कर दी हैं। यहां खुद कलैक्ट्रेट परिसर में एसपी ऑफिस के पास भारी मात्रा में पानी एकत्रित होकर आमजन सहित कर्मचारियों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। यहां पानी के कारण रास्ता भी बंद हो चुका है। जबकि यहां का प्रशासन पूरी तरह बेखबर है।

किसी भी अधिकारी को इस समस्या से कोई लेना-देना नहीं है। सब अपनी-अपनी उधेड़बुन में लगे हुए हैं। कलैक्ट्रेट के ऐसे हालात हैं तो शहर की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। चूरू शहर में तो नगरपरिषद की लापरवाही और अनदेखी के कारण सर्किट हाऊस के आगे, रेलवे स्टेशन के आगे, धर्मस्तूप के पास, बाबोसा मार्ग, नगरश्री के पास, नई सड़क आदि सहित जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। नाली-नालों की लम्बे समय बाद भी सफाई नहीं हुई है।

सार्वजनिक शौचालयों के तो आगे से भी गुजरना मुश्किल काम हो गया है। सड़कों पर चैम्बर खुले पड़े हैं, जो दुर्घटना को न्यौता दे रहे हैं। इधर रात्रि को सीएम बहड़ सर्किल से लेकर आपणी योजना तक मुख्य सड़क अंधेरे में डूबी रहती है। इसी प्रकार आवासन मण्डल की ओर जाने वाला मार्ग भी रात्रि के समय रोशनी को तरसता रहता है। नगरपरिषद को बार-बार अवगत करवा देने के बाद भी कोई समाधान नहीं हो रहा है। लगता है नगरपरिषद ने यहां अंधेरा रखने की सौगंध खा ली है। यहां के जनप्रतिनिधियों ने भी शहर की समस्याओं के समाधान के संबंध में चुप्पी साध रखी है।

चूरू कलैक्ट्रेट में एसपी ऑफिस के पास भारी मात्रा में पानी एकत्रित होने से आमजन के साथ कर्मचारी परेशान हो रहे हैं।

- **एसपी ऑफिस के पास पानी के कारण रास्ता बंद हो चुका है**
- **चूरू में अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को कब मिलेगी सद्बुद्धि**

वे अपनी आंखों से शहर का बेहाल देखकर भी मौन हैं। आमजन पहले से ही परेशान है, वह किसी से कोई और पंगा नहीं लेना चाहता है। ऐसे में चूरू का कोई धणी-धोरी नहीं है। कहा जाता है कि जिसका कोई नहीं होता, उसका मालिक ऊपरवाला होता है। अब देखो वो ऊपरवाला यहां तैनात अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को कब सद्बुद्धि देगा।

सार-समाचार

पृथ्वी दिवस पर पौधारोपण किया

सीकर,(निसं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के माह अप्रेल2024 के एक्शन प्लान के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीकर एवं क्षेत्रीय वन विभाग सीकर के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर स्मृति वन सीकर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन कर वृक्षारोपण किया तथा पृथ्वी पर वनों के संरक्षण का संकल्प लेकर पक्षियों के लिये परिण्डे बांधे। इस दौरान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीकर धर्मराज मीणा, उपवन संरक्षक वन विभाग सीकर रामावतार दूधवाल, क्षेत्रीय वन अधिकारी अनिलकुमार देंवदा, सीईओ भारत स्काउट गाईड, बसंत कुमार लाटा एवं अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। फोटो-सीकर, 22 अप्रैल-3-सीकर में वनों के संरक्षण का संकल्प लेकर पक्षियों के लिये परिण्डे बांधे।

हनुमान चालीसा पाठ आयोजित

रतनगढ़,(निसं)। सिद्ध पीठ श्री ताल वाले बालाजी मंदिर रतनगढ़ में हनुमान जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत आज सुबह 5:15 बजे से संख्या हनुमान चालीसा पाठ भक्तों द्वारा किए जाएंगे। समिति के अध्यक्ष मुरारी लाल जी पारीक एवं पुजारी रवि प्रकाश जी इंदौरिया ने बताया कि कल दिनांक 23 अप्रैल को सुबह 8:00 बजे हनुमत रुद्राभिषेक होगा। दोपहर 11:00 बजे से भंडारा प्रसाद तत्पश्चात 3:00 बजे बालाजी महाराज जिन्हें नगर सेठ भी कहा जाता है की,सुसज्जित झांकी शहर के चारों बाजारों में भ्रमण करने हेतु रवाना होगी। 1100 ध्वजवाहकों के हाथ में बाबा के लाल निशान होंगे सजीव झांकियां रथ और घोड़े पर सवार होकर बैंड बाजे के साथ निकलेगी। कीर्तन मंडलीय गूंजायमान स्वर में कीर्तन करते हुए चलेंगे। हजारों की संख्या में भक्तगण नाचते- गाते हुए इस मनमोहक झांकी का आनंद लेंगे। मार्ग में आने वाले सभी मंदिरों के समक्ष झांकी की पूजा अर्चना होगी , मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के समक्ष विशेष पूजा अर्चना के पश्चात झांकी वापस मंदिर प्रांगण में पहुंचेगी और वहां आरती की जावेगी। रात्रि 9:00 बजे स्थानीय गायक मधुसूदन मटोलिया बालकृष्ण धड़ं एवं देवकीनंदन सेवदा द्वारा संगीत में सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा। सभी भक्त प्रेमियों से निवेदन ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधार कर महोत्सव का आनंद लेवें।

नेत्र चिकित्सा शिविर आज

रतनगढ़,(निसं)। राजस्थान पेंशनर समाज उप शाखा रतनगढ़ के तत्वावधान में आज मंगलवार को नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। पेंशनर्स समाज रतनगढ़ अध्यक्ष सत्यनारायण सेवदा ने बताया कि, स्थानीय बस स्टेण्ड के पास पेंशनर्स समाज भवन में प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक टिबडा नेत्र चिकित्सालय सीकर द्वारा निःशुल्क जांच की जाकर दवा दी जाएगी। लेंस प्रत्यारोपण के लिए मरीजों का चयन कर टीबडा हॉस्पिटल सीकर में ऑपरेशन किया जायेगा, जिसके लिए आने जाने हेतु निःशुल्क वाहन व्यवस्था चिकित्सालय द्वारा की जावेगी।आरजीएचएस और इसीएचएस कार्ड धारकों के आप्रेशन योजनानुसार कैशलैस किए जायेंगें तथा अन्य व्यक्तियों को इलाज बिल में 10 प्रतिशत की चिकित्सालय द्वारा छूट दी जाएगी।

आज बंद रहेंगे बाजार

चूरू, (कासं.)। यहां बुलबुल हत्याकाण्ड में न्याय की मांग को लेकर मंगलवार को चूरू के बाजार बंद रहेंगे। यह जानकारी देते हुए सनातन सुरक्षा फाण्डेशन की ओर से सवेरे 10 बजे गढ़ चौराहे पर पहुंचने की अपील की गई है। बाजार बंद रखने के संबंध में लाउडस्पीकर से भी शहर में ऐलान किया गया है। साथ ही कहा है कि भाजपा व कांग्रेस की राजनीति ने बुलबुल के साथ अन्याय किया है। सनातन की सुरक्षा के लिए सभी को विरोध दर्ज करवाना होगा। उल्लेखनीय है कि चूरू के होटल सनसिटी में बुलबुल का शव मिला था।

हज यात्रा 2024 के लिए जिला स्तर पर प्रशिक्षण 2 मई से

सीकर, (निसं.)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सीकर रवि झाझड़िया ने बताया कि 2024 में चयनित हज यात्रियों को हज यात्रा के दौरान की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों, टीकाकरण एवं व्यवस्थागत निर्देशों की जानकारी उपलब्ध करवाये जाने के संबंध में 2 मई 2024 को इकरा पब्लिक स्कूल, पावर हाउस के सामने फतेहपुर रोड़ सीकर में प्रशिक्षण कार्यकम आयोजित किया जायेगा।

उन्होंने सभी हज आवेदनकर्ताओं को निर्धारित तिथि पर प्रशिक्षण स्थलपर पहुँच कर प्रशिक्षण प्राप्त कर टीकाकरण करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिये अब्दुलरसीद खोखर मोबाईलनम्बर 9829169666 या जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय सीकर में सम्पर्क किया जा सकता है।

- **2 मई 2024 को इकरा पब्लिक स्कूल, पावर हाउस के सामने फतेहपुर रोड़ सीकर में प्रशिक्षण कार्यकम आयोजित किया जायेगा**

विद्याश्रम स्कूल में पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित हुए

सीकर,(निसं)। शहर के पोलोग्राउंड स्थित विद्याश्रम पब्लिक स्कूल में विश्व पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया । संस्था की डायरेक्टर मंजू लाटा ने बताया कि किड्स किंगडम के बच्चो ने नृत्य नाटिका के माध्यम से पृथ्वी पर जल और पेड़ पोधो के महत्व को बताया । वही बच्चो ने स्लोगन के माध्यम से पृथ्वी पर जल संसाधन और सेव अर्थ का संदेश दिया।

- **नृत्य नाटिका के माध्यम से बताया जल का महत्व**

डायरेक्टर मंजू लाटा के अनुसार पृथ्वी हर व्यक्ति की जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त है, प्रत्येक तत्व जिसका उपयोग हम जीवित रहने के लिए करते हैं वह सभी पर्यावरण के अन्तर्गत आते हैं जैसे-हवा, पानी प्रकाश, भूमि, पेड़, जंगल और अन्य प्राकृतिक तत्व हैं। हमारा पर्यावरण धरती पर स्वस्थ जीवन को अस्तित्व में रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हम चाहे कहीं भी रहे, पर्यावरण की देखभाल करना हमारे लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। छोटे स्तर पर काम शुरू करें। हमें पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार लाना है तो केवल एक ही तरीका है, सबको शामिल करना हैं । हमारी सुरक्षा, हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे ग्रह के लिए बदलाव लाने का हममें साहस और प्रतिबद्धता होनी चाहिए । पक्षी पर्यावरण के संकेतक हैं । यदि वे खतरे में हैं तो हम जानते हैं कि हम भी जल्द ही खतरे में होंगे।भारतीय समाज में आस्था और विश्वास का विशेष स्थान है और इसमें प्राकृतिक संसाधनों जैसे पौधों, जन्तुओं, नदियों आदि को भी पूजनीय माना जाता है। हमारी सांस्कृतिक परम्परा में पर्यावरण-संरक्षण की भावना पहले से निहित है। प्राचीन काल में भारत में प्रकृति को किसी भी प्रकार की क्षित नहीं पहुँचाई जाती थी, इसलिये यहाँ पर्यावरण संरक्षण के लिये किसी कानून की आवश्यकता नहीं थी। लेकिन अब पिछली सदी में पर्यावरण के संरक्षण के लिये बड़ी संख्या में कानून बनाए गए। पर्यावरण-स्वच्छता की संकल्पना सीधे तौर पर मानवाधिकार से जुड़ी हुई है। ऐसी स्थिति में पर्यावरण के लिये कानून का संरक्षण भी महत्त्वपूर्ण है। यह विश्व का पहला ऐसा संविधान है जिसमें पर्यावरण-संरक्षण के लिये विशेष प्रावधान है।

सिद्धपीठ देवीपुरा बालाजी धाम पहुंची निशान पदयात्रा

सीकर,(निसं)। सिद्धपीठ देवीपुरा बालाजी धाम में हनुमान जन्मोत्सव पर दो दिवसीय कार्यक्रम सोमवार स शुरू हुआ। महंत ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि सोमवार सुबह 11.15 बजे निशान यात्रा निकाली गई इस दौरान पुष्पवर्षा व बैंडबाजे के साथ स्वागत किया गया।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दोदराजका भवन से 19वीं निशान पदयात्रा रवाना होकर देवीपुरा धाम पहुंची यह जानकारी देते हुए मनीष दोदराजका ने बताया की हर वर्ष भांति विशाल कीर्तन का आयोजन होता है उसके बाद निशान पदयात्रा दोदराजका भवन से निकलकर शहर के प्रमुख मार्गो से होती हुई देवीपुरा धाम पहुंचती है। निशान पदयात्रा में पूर्व विधायक रतन जलधारी प्रशासनिक अधिकारी राकेश लाटा रमाकांत श्रीकांत मिश्र रतन अग्रवाल, मनोज पंसारी जगदीश दोदराजका देवीपुरा बालाजी के महंत रमेश पुजारी सनू मोदी, शुभम मोदी,श्रीराम गोयल आदि व शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

निशान यात्रा निकाली गई इस दौरान पुष्पवर्षा व बैंडबाजे के साथ स्वागत किया गया ।

- **देवीपुरा बालाजी धाम में हनुमान जन्मोत्सव पर दो दिवसीय कार्यक्रम शुरू हुआ**
- **महंत ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि सोमवार सुबह 11.15 बजे निशान यात्रा निकाली**

सारिका का यू.पी.एस.सी. में चयन हुआ

झुंझुनूं,(निसं)। बनगोठड़ी हाल पिलानी निवासी सारिका चौधरी का अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज परीक्षा में 548वीं रैंक के साथ चयन हुआ है। सारिका चौधरी ने स्नातक व स्नातकोत्तर डिग्री दिल्ली यूनिवर्सिटी से प्राप्त की। जहां एमए में दिल्ली यूनिवर्सिटी की टॉपर रही। जेएनयू से एमफिल की डिग्री हासिल की।

सारिका की मां सुमन चौधरी महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बनगोठड़ी में प्रधानाचार्या है। जबकि पिता मुकेश पंघाल सेवानिवृत्त तहसीलदार हैं। सारिका ने अपने पांचवें प्रयास में सफलता हासिल कर यह साबित किया है असफलताएं कामयाबी की मंजिल की सीढ़ियां होती हैं। आप छलांग लगाकर सफलता प्राप्त करने के शॉर्टकट ना ढूंढे। चौधरी की इस प्रेरक व अनुकरणीय सफलता पर सीडीईओ अनुसुईया, डीईओ मनोज ढाका, सीबीईओ महेंद्र जाखड़, सीडीईओ सीकर विनोद जानूं, एपीसी समसा कमलेश तेतरवाल, सेवानिवृत डीईओ कुलदीप पूनियां, महेंद्र भालोठिया, डाइट वाइस प्रिंसिपल सुशीला, एसीबीईओ नवीन गढ़वाल, अशोक पूनियां, प्रधानाचार्य उमादत्त झाझड़िया, राजेश मील, राजकुमार बलवदा, सुरेश पायल, राजवंती सरावग, मंजू प्रतिभा, संजू नेहरा, दुर्गा , सुभाष यादव, दीपचंद लाखलान, सुमन भड़िया, सुशीला राव, राजेश रणवां, नरेंद्र जांगिड़, कपिल कुलहरि, विजयलाल, सुनील , राजपाल , महेश , फारूक , लक्ष्मीकांत, सुमन, सुमन पूनियां ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चौधरी परिवार को बधाई प्रेषित की है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर विचार गोष्ठी, पौधारोपण कार्यक्रम हुआ

झुंझुनूं,(निसं)। जिला पर्यावरण सुधार समिति के सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा है कि,प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतया बंद हो। हालांकि कानूनन प्लास्टिक के कैरी बैग्स आदि पर प्रतिबंध लगाया गया है। लेकिन इस प्रतिबंध को सख्ताई से लागू करने के लिए आमजन को भी सहयोग करना होगा।

अग्रवाल सोमवार को भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सौजन्य तथा वन विभाग झुंझुनूं व जिला पर्यावरण सुधार समिति के तत्वावधान में विश्व पृथ्वी दिवस पर बीड़ के हिरण अभ्यारण क्षेत्र में आयोजित विचार गोष्ठी में बोल रहे थे। इस मौके पर अग्रवाल ने कहा कि पौधे लगाने को लेकर आमजन में काफी जागरूकता आई है। लेकिन हम ना केवल पौधे लगाए, बल्कि उनके पालन पोषण की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करें। तभी हमारी पृथ्वी हरी-भरी रह सकेगी। इस मौके पर मुख्य अतिथि डीएफओ बीएल नेहरा ने भी विचार रखे। उन्होंने कहा कि समस्त ब्रह्मांड में मात्र पृथ्वी एक ऐसा ग्रह है। जिस पर जीव की उत्पत्ति है और जीव विराजमान है। वर्तमान परिदृश्य में संपूर्ण संसार में प्लास्टिक पृथ्वी के लिए एक बहुत बड़ा खतरा है। इसलिए हमें सभी को मिलकर पृथ्वी को प्लास्टिक मुक्त करना है।

कार्यक्रम में सहायक उप वन संरक्षक संजय कुमार, कमलचंद, श्रवण झाझड़िया व क्षेत्रीय वन अधिकारी अमित सैनी आदि ने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री राणी सती जी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रिंसिपल मधु शर्मा ने की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि भारत का भविष्य बच्चे हैं और बच्चों में यह प्राथमिक शिक्षा से ही पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया जाना बहुत आवश्यक है। क्योंकि अगर ब्रह्मांड में जीव को विराजमान रखना है तो हमें पृथ्वी को सुरक्षित करनी पड़ेगी और इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण है पौधारोपण करना। इस अवसर पर अतिथियों और बच्चों द्वारा पौधारोपण किया गया। इससे पहले सभी विद्यार्थियों ने हिरण सफारी की और हिरण की अटखेलियां देखी। कार्यक्रम में चित्रकला, गायन और नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय रही छात्राओं को प्रतीक चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। शक्ति सदन की केंद्र अधीक्षक भंवरी देवी ने बताया कि चित्रकला प्रतियोगिता में नमश्विनी जोशी, खुशी नायक व कनक हिसारिया, नारा लेखन में कोमल सैनी, भाविका टेलर, अर्पिता मारवाल तथा गीत-गायन प्रतियोगिता में अवनी पांडे, उजमा बानो व खुशी सैनी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर मान महेंद्रसिंह भाटी, पर्यावरण सुधार समिति की लेखाकार सोनम सैनी, कोषाध्यक्ष अभिषेक मुरारका आदि मौजूद थे।

जिला पर्यावरण सुधार समिति के सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा है कि,प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतया बंद हो।

- **प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतया बंद हो : अग्रवाल**

17 विद्यार्थियों का राज्य स्तर के लिए चयन

झुंझुनूं,(निसं)। जिला मुख्यालय स्थित प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल के 17 विद्यार्थियों का किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में राज्य स्तर के लिए चयन हुआ है। संस्थान निदेशक निर्मल कालेर ने बताया कि, जिला स्तरीय किक बॉक्सिंग में बच्चों का प्रदर्शन शानदार रहा। जिला मुख्यालय स्थित योगी स्टेडियम में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमें स्कूल के 27 बच्चों ने भाग लिया। जिसमें अलग-अलग भार वर्ग में 17 बच्चों को गोल्ड, सात को सिल्वर व दो को ब्रोंज मैडल मिला। सूर्य सिंह राठौड़, आलिश, अव्वल, आर्यन, तनु कुमारी नेहरा, खुशी, साक्षी, अंकित चौधरी, यशमीत निखिल, मोहित, आराध्या, नाईशा, अंश जांगिड़, आनंद को विभिन्न वर्ग में गोल्ड मैडल मिला। वहीं रक्षित, दक्ष, नवनीत, आदित्य, प्रद्युम्न, राजवीर, समरवीर, मयंक ने सिल्वर मैडल जीता। साथ ही शिवम व कनिष्का ने ब्रोंज मैडल पर कब्जा जमाया। तीन से पांच मई के बीच सीकर में स्टेट किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन होगा। इस दौरान प्रिंस ग्रुप ऑफ़ स्कूल्स के चेयरमैन जीएल कालेर ने सभी सफल बच्चों को सम्मानित किया व इस उपलब्धि पर बधाई दी तथा आगामी प्रतियोगिता में सफलता की कमाना की। इस अवसर पर एकेडमिक डायरेक्टर समीर, प्रिंसिपल महेद्र , कोच संदीप दिलबर नेगी, निकिता, वैशाली तथा सभी विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर ने चिकित्सा विभाग के साथ सिलिकोसिस पर चर्चा की

जिला कलक्टर शरद मेहरा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि काम करने वाले मजदुरों की लिस्ट बनाकर हर माह क्रेशर, सब सेन्टर पर मजदुरों की सिलिकोसिस की स्क्रीनिंग करवायें ।

पाटन,(निसं)। जिला कलक्टर शरद मेहरा ने चिकित्सा विभाग एवं खनन विभाग के अधिकारियों के साथ सिलिकोसिस पर विस्तृत चर्चा कर निर्देश दिए कि खनन विभाग क्रेशर एवं खानों में काम करने वाले मजदुरों की लिस्ट बनाकर हर माह क्रेशर,खान के आस-पास सीएचसी, पीएचसी या नजदीक सब सेन्टर पर मजदुरों की सिलिकोसिस की स्क्रीनिंग करवायें तथा सभी मजदुरो के हेल्थ कार्ड बनवा कर उनका नियमित चेकअप करवाये एवं मानिटरिंग का कार्य भी करे।

चिकित्सा विभाग जिला स्तर पर रजिस्टर संधारित करे तथा सिलिकोसिस की जाँच हेतु सभी सुविधाये उपलब्ध करवाये। जिला अस्पताल परिसर में पार्किगं में अधिक समय तक खडी गाडियों की सीसीटीवी से निगरानी कर उनपर चालान की कारवाई करें।

- **हर माह लगेंगे सिलिकोसिस के कैम्प,**
- **प्रत्येक मजदूर का बनेगा हैल्थ कार्ड**

मेहरा ने जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूलों में पीने की पानी की टंकीयो पर जमी काई को साफ करवाने उनकी सफाई करवाने एवं उन पर पेंट करवाने के निर्देश दिए, साथ ही स्कूल के आस-पास की नालियों को साफ रखने एवं स्कूलों में सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा। अजितगढ में नगरपालिका, अस्पताल और बस स्टैंड के आस-पास अवैध अतिक्रमण को नहीं हटवाने पर कलक्टर मेहरा ने सख्त निर्देश दिए कि अतिक्रमण को तुरंत हटवाया जाए एवं श्रीमाधोपुर में अतिक्रमण हटवाने की कार्यवाही पुनः की जावे। कलक्टर ने बांधों का ड्रोन से सर्वे करवा के उनमें पानी नहीं आने के कारणों पता लगाकर उनका समाधान करने एवं खान एवं क्रेशर से जो कचरा निकलता है। उसका खनन विभाग के कर्मचारियों को उचित जगह पर निस्तारण करने के निर्देश दिऐ।बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर अनिल महला, जिला परिषद् एसीईओ मुरारी लाल शर्मा, सीएमएचओ विनय गहलोत, पीएमओ कमल सिंह शेखावत, बिजली विभाग के एक्सईएन रामसिंह यादव, पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन राजेन्द्र सैनी, जलदाय के एक्सईएन दलीप कुमार तारंग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सार-समाचार

लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर हिसार सडक पर मार्ग पर स्थित लॉर्ड्स स्कूल के सामने भरने वाले गंदे पानी की निकासी का स्थाई समाधान करने की मांग को लेकर सोमवार को दुकानदारों तथा प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर रोष व्यक्त किया है। वहीं अंबेडकर सर्किल से सिद्धमुख मोड तक यह प्रमुख सडक दूध डेयरी से लॉर्डर्स स्कूल के रास्ते तक लगभग एक किलोमीटर तक गढों में तब्दील हो गई है। गत दो-तीन वर्षो से सडक पर पानी इकट्ठा होने के कारण सडक क्षतिग्रस्त हो गई है तथा जगह-जगह बने बडे-बडे गड्ढों में पानी भरने के कारण दिन भर दूषित और कीचड युक्त वातावरण बन रहता है तथा आए दिन दुर्घटनाएं घटित होने से लोगों में भारी रोष व्याप्त है। लोगों ने बताया कि दो रोज पहले ही एक कार और मोटरसाइकिल की भिडंत होने से दो व्यक्ति घायल हो गए थे, ऐसी अनेक घटनाएं घटित होने के बावजूद तथा शिकायत करने के बाद भी संबंधित विभाग की ओर से कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवसर पर अनिल सहारण, सतीश पूनिया, राजेश पूनिया, दीपक पूनिया, सतपाल सहारण, रिशाल श्योराण, मनोज प्रजापती, अनिल कोठारी, कृष्ण सांगवान, सतीश बरबड, जयप्रकाश, सुरेश कुमार मेघवाल, अनिल कोठारी, सुनील सहारण, सुनील कोठारी, कृष्ण पूनिया, अमित शर्मा व अनूप पूनिया आदि ने बताया कि क्षतीग्रस्त सडक को दुरूस्त करवाने की माँग को लेकर अनेकों बार धरना प्रदर्शन तथा लिखित और मौखिक शिकायतों के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। आक्रोशित लोगों और दुकानदारों ने कहा कि समय रहते जनहित में कार्रवाई नहीं हुई तो दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठान बंद कर सडक पर धरना प्रदर्शन शुरू करने के लिए मजबूर होना पडेगा।

108 पाठ का होगा आयोजन

सीकर,(निसं)। स्थानीय आनन्द नगर में श्री श्रद्धानाथजी महाराज द्वारा स्थापित श्री विश्वनाथ मन्दिर में हनुमान जयन्ती के उपलक्ष में 108 सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन मंगलवार को शाम 7.30 बजे से होगा। श्री विश्वनाथ मन्दिर के सेवकों ने बताया कि इस पाठ का आयोजन पिछले कई वर्षों से प्रतिवर्ष हनुमान जयन्ती पर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पाठ में भाग लेने के इच्छुक भक्त अपना नाम मन्दिर परिसर में आकर लिखवा सकते हैं। पाठ की समस्त तैयारियां वृहद स्तर पर की जा रही है।

जन्मदिन पर अलमारी व पंखे भेंट

रतनगढ़,(निसं)। समाजसेवी संस्था हनुमान प्रसाद सीताराम सेवा समिति ने सोमवार को स्थानीय महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय पंडितपुर में एक स्टील अलमारी और तीन पंखे भेंट किए। संस्था प्रधान रामचंद्र सैनी ने बताया कि समिति अध्यक्ष सीताराम शर्मा ने अपने सुपुत्र गौरव दाधीच के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विद्यालय को अलमारी, पंखे तथा सभी विद्यार्थियों को चॉकलेट वितरित किए। इस मौके पर मुख्य अतिथि शर्मा ने समिति के सेवा कार्यों पर प्रकाश डालते हुए समाज के विकास में सभी को अपनी क्षमता अनुरूप सहयोग करने का आ ान किया। एसएमसी सदस्य विनोद कुमार चोटिया की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सचिन दाधीच व माही शर्मा थे, जिनका संस्था प्रधान रामचंद्र सैनी, अशोक कुमार गौड़, अर्चना पोद्दार, दीपिका शर्मा, मीना महर्षि, यशोदा शर्मा आदि ने स्वागत किया। कार्यक्रम संचालन शिक्षक राधेश्याम प्रजापत ने किया।

पांच दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव शुरू

रतनगढ़,(निसं)। शक्ति पीठ श्री मेहन्दीपुर बालाजी धाम में 5 दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव गत 19 अप्रैल को अखण्ड रामायण पाठ, अखण्ड हनुमान चालीसा व अखण्ड सुन्दर काण्ड पाठ से शुरू हुआ। उक्त जानकारी देते हुए एडवोकेट गोत्तम जोशी व बृजबिहारी जोशी ने बताया कि सोमवार को प्रात: शिखर ध्वज पूजन व सायं स्वर्ण चोला श्रृंगार व महाआरती, 23 अप्रैल को धोक पूजन, जात झूड़ला व रात्रि में जागरण में भजन गायक कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति, 24 अप्रैल को प्रात: 11.15 पर शक्ति प्रसन्नता हवन व 25 अप्रैल को प्रात: 11.15 पर बाबा का रूद्राभिषेक, सायं सुन्दरकाण्ड का पाठ व रात्रि में संकटमोचन हवन आदि धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर कल

रतनगढ़,(निसं)। रतनगढ़ माहेश्वरी सभा ट्रस्ट व स्व दत्तुराम व स्व मालवती देवी की स्मृति में उनके पुत्र गोपाल व रमेशकुमार तापड़िया द्वारा नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच व नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन बुधवार को माहेश्वरी भवन, रामचंद्र पार्क के पास होगा। शिविर का समय प्रात: 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक रखा गया है। शिविर में मरीजों की नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच व आधुनिक तकनीक द्वारा ऑपरेशन जयपुर ले जाकर किया जाएगा। मरीज को अपने साथ आधार कार्ड की दो फोटो प्रति व मोबाइल नंबर देकर रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। शिविर प्रभारी नरेंद्र झंवर ने बताया कि शिविर में सभी प्रकार की व्यवस्थाएं पूर्णता नि:शुल्क रहेगी।

नौ विद्यार्थियों ने जीते गोल्ड मैडल

झुंझुनू,(निसं)। जिला स्तरीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में डिवाइन के 9 विद्यार्थियों ने गोल्ड मैडल जीता। इस मौके पर इन विद्यार्थियों का भी सम्मान किया गया। गोल्ड मेडल जीतने वाले इन विद्यार्थियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भी चयन हुआ है। प्रिंसिपल ने सभी को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर स्कूल कैंपस में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में वाद विवाद प्रतियोगिता एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बच्चों ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से "धरती बचाओ, जीवन बचाओ" का संदेश प्रस्तुत किया। प्राचार्य ने बताया कि पृथ्वी दिवस का आयोजन विश्वभर में पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्थन प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है।

बिल्डिंग में लगी भीषण आग , दो फ्लोर चपेट में आए

- मंडावा मोड़ पर मान सिटी सेंटर में लगी आग, सवा घंटे बाद पाया जा सका आग पर काबू
- फायर सेफ्टी के कोई भी इंतजाम नहीं मिले बिल्डिंग में

झुंझुनूं,(निसं)। बिना फायर सेफ्टी के इंतजाम किए झुंझुनूं शहर की बिल्डिंग अब आमजन के लिए भारी बनती जा रही है। ताजा मामला झुंझुनूं शहर के सबसे व्यस्तम इलाकों में से एक मंडावा मोड़ की है। जहां पर बनें मान सिटी सेंटर में सोमवार को भीषण आग लग गई। जिससे ना केवल इस बिल्डिंग के दो फ्लोर चपेट में आ गए।

बल्कि पास पड़ौस की दुकानों में भी हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक सोमवार सुबह 11 बजे के करीब मान सिटी सेंटर में बने एक कैफे में अचानक आग लग गई। आग धीरे-धीरे बेकाबू हो गई। बिल्डिंग से आग उठती देखा। ना केवल इस बिल्डिंग में संचालित एक दर्जन से करीब दुकानें, बल्कि पास पड़ौस की दुकानें भी बंद हो गई। दुकानदार जिस स्थिति में दुकान में बैठे थे। वैसे ही उठे और दुकान बंद की और बिल्डिंग से दूर चले गए। सूचना पर नगर परिषद की फायर ब्रिगेड पहुंची। बार-बार राउंड कर पांच दमकल गाड़ियों में लाए गए पानी से करीब सवा घंटे में आग बुझाई गई। मंडावा मोड़, शहर का व्यवस्तम क्षेत्र है। इसलिए आग की लपटें देखने मौके पर भारी संख्या में भीड़ भी इकट्ठा हो गई और जाम जैसी स्थिति बन गई। पुलिस ने मौके पर

झुंझुनूं में मंडावा मोड़ पर बने मान सिटी सेंटर में भीषण आग लग गई।

पहुंचकर कानून व्यवस्था संभाली और ना केवल लोगों को आग से दूर किया। बल्कि यातायात भी सुचारू करवाया। बताया जा रहा है कि इस बिल्डिंग में दो महीने तक एक कैफे चलता था। जिसमें शॉर्ट सर्किट से आग लगी। इसके बाद आग ने पूरे कैफे को राख में तब्दील कर दिया। इसके अलावा कैफे के उपर के फ्लोर खाली थे। ऐसे में कोई नुकसान नहीं हुआ। बिल्डिंग के बाहर लगे शीशे जरूर धड़ाधड़ टूटकर जमीन पर आ गिरे। फायर सेफ्टी को लेकर नहीं किए कोई प्रबंध इधर, जानकारी के मुताबिक काफी दिन पहले नगर परिषद ने इस बिल्डिंग की फायर सेफ्टी एनओसी ना लेने पर बिल्डिंग मालिक को नोटिस दिया था। लेकिन बिल्डिंग मालिक ने ना तो नोटिस का जवाब दिया और ना ही फायर सेफ्टी के इंतजाम करके एनओसी के लिए एप्लाई किया। वहीं इस पूरी बिल्डिंग में कहीं पर भी आपातकालीन निकासी भी नहीं छोड़ी गई है। बताया जा रहा है कि हाल ही में नगर परिषद ने एक बार फिर शहर की बिल्डिंगों के फायर सेफ्टी इंतजामात का सर्वे करवाया था। उसमें भी इस बिल्डिंग का नाम है। अब देखने वाली बात यह होगी कि नगर परिषद ऐसी बिल्डिंगों पर कार्रवाई करती है या फिर नहीं।

अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

झुंझुनूं,(निसं)। झुंझुनूं प्रगति संघ मुंबई द्वारा संचालित आदर्श बाल निकेतन स्कूल के पूर्व छात्र डॉ. नकूल गुप्ता (गाडिया) हाल ही में दुबई में अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए हैं। यह आदर्श बाल निकेतन स्कूल के लिए बहुत ही गर्व एवं गौरव की बात है।

विदित है कि आदर्श बाल निकेतन स्कूल के वर्षों तक आजीवन कार्यकारिणी सदस्य रहे स्वर्गीय गिरधारीलाल गाडिया द्वारा ही डॉ. नकूल गाडिया का झुंझुनूं में लालन पालन किया गया तथा एबीएन स्कूल में ही डॉ. नकूल की प्रारंभिक शिक्षा हुई। एबीएन स्कूल के पूर्व छात्र शरतचंद्र गाडिया में जानकारी देते हुए बताया कि होटल क्राउन प्लाजा दुबई मे 20 एवं 21 अप्रैल को आयोजित समारोह में इनायत ब्लेसिंग फाउंडेशन के सहयोग से योग वेलनेस फ़ॉन्डेशन की ओर से डॉ. नकूल गाडिया को प्रेरक शिक्षाविद् और निदेशक के लिए भारत गौरव पुरस्कार 2024, विशिष्ट वैश्विक नेतृत्व पुरस्कार भारतीय आइकन 2024 एवं प्राइड हेल्थ एंड वेल बीइंग ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड की ओर से आईआईएमटी कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी ग्रेटर नोएडा, जहां डॉ. नकूल कार्यरत है, को फॉर्मेसी शिक्षा के क्षेत्र में असाधारण कार्य और सर्वोत्तम प्लेसमेंट के लिए सर्वश्रेष्ठ कॉलेज पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके उज्जवल भविष्य के लिए बधाई प्रेषित की है।

शेखावाटी में भाजपा का खाता खुलना भी मुश्किल!

चूरू, (कासं.)। लोकसभा आम चुनाव 2024 के परिणाम 4 जून को आने हैं, लेकिन यहां राजनीति के जानकारों के अनुसार शेखावाटी में भाजपा का खाता खुलना भी मुश्किल लग रहा है। हालांकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा चुनावी सभाओं में राजस्थान में 25 में से 25 सीटों पर भाजपा की 5 लाख मतों से जीत होने की बात कह रहे रहे हैं।

भाजपा में बूथ स्तर के अधिकांश कार्यकर्त्ता बहुत नाराज है। मिली जानकारी के अनुसार झुंझुंनू की सीट तो भाजपा द्वारा टिकट की घोषणा करते ही कांग्रेस की झोली में चली गई थी। लोगों ने उसी समय कह दिया था कि नरेन्द्र मोदी ने झुंझुंनू में गलत फैसला कर लिया है।

इसी प्रकार सीकर में भी भाजपा उम्मीदवार पर आमजन से दूरी बनाए रखने के आरोप लगते रहे हैं। राजनीति के जानकारों का मानना है कि उन्हीं आरोपों के बीच भाजपा द्वारा उनको टिकट दिए जाने का निर्णय भी सही साबित नहीं होगा। चूरू में बहुत ही रौचक स्थिति बनी हुई है। यहां भाजपा में वसुंधरा राजे गुट के लोगों ने भी अपने उम्मीदवार के पक्ष में मतदान नहीं किया बताया। उनके अनुसार देवेन्द्र झाझड़िया जीत गए तो यह जीत राजेन्द्र राठौड़ की जीत मानी जाएगी और राजेन्द्र राठौड़ का कद एक बार फिर से बढ़ जाएगा। ऐसे में कई लोगों ने तो नारा ही दे दिया कि राठौड़ नै ढाल्यो, झाझड़ियो तो औरूं बणज्यागो एमपी। इस नारे ने झाझड़िया के पक्ष में चली हवा का रुख दूसरी ओर मोड़ दिया। ऐसे में राहुल कस्वां की राह आसान हो गई।

वैसे कांग्रेस के नेताओं ने तो राहुल कस्वां की जमानत जप्त करवाने की सोच रखी थी। उनका यह सपना शायद ही पूरा हो। इस प्रकार जानकारों की मानें तो शेखावाटी की झुंझुंनू, सीकर और चूरू की सीट भाजपा के हाथ से निकल सकती है। वैसे यहां भाजपा, कांग्रेस व कॉमरेड काफी उत्साहित हैं। सभी के समर्थक अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं।

ऐसे में भाजपा के लिए तीनों सीट जीत पाना तो बिलकुल भी सम्भव नहीं लग रहा है।

आइकॉन अवार्ड-2024 से सम्मानित हुए

झुंझुनूं,(निसं)। झुंझुनूं एकेडमी प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नवाचार एवं अतुल्य योगदान से लिए गुरुग्राम स्थित होटल लीला एम्बियंस में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. दीपक बोहरा पूर्व डिप्लोमेट एवं वर्तमान में पीएम सलाहकार, डॉ. प्रमोद शर्मा डायरेक्टर जीनेसस ग्लोबल स्कूल नोएडा, पंकज एवं सन्नी लालवानी ग्लोबल स्कूल लीडर कॉन्सोटोरियम द्वारा सम्मानित किया गया। जानकारी देते हुए स्कूल निदेशक आकाश मोदी ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में नित नए नवाचार, बेहतरीन बोर्ड परीक्षा परिणाम, इंफ्रास्ट्रक्चर, कुशल नेतृत्व क्षमता, आधुनिक पारम्परिक शिक्षा एवं जीवन मूल्यों का नवीन शिक्षा पद्धित में समावेश करने, हमेशा नवाचारों को शिक्षा में लागू करने एवं समय के साथ उनमे परिवर्तन करने तथा साथ ही शिक्षा में सुधार के लिए निरंतर प्रयास के लिए सम्मानित किया गया है। इस समारोह में संपूर्ण भारत एवं विदेशों से शिक्षा के क्षेत्र में लगातार बेहतरीन कार्य करने वाले शिक्षाविदों एवं स्कूल प्रिंसिपल को आमंत्रित किया गया।

हनुमान जन्मोत्सव पर दो दिवसीय कार्यक्रम शुरू

झुंझुनूं,(निसं)।हनुमान जन्मोत्सव पर छावनी नरेश बालाजी मंदिर में विशाल लड्डू गोपालजी व ध्वज यात्रा के साथ दो दिवसीय धार्मिक आयोजन शुरू हुआ।

सेवा समिति के व्यवस्थापक शशिकांत महमिया ने बताया कि सोमवार को सुबह खेतान मोहल्ला स्थित श्याम मंदिर से लड्डू गोपालजी व ध्वज यात्रा प्रारंभ हुई। जो शहर के राणी सती रोड स्थित चूणा चौक, गांधी चौक, मोदी रोड, कमल हाइट्स से बावलिया बगीची होते हुए नेहरू मार्केट के सामने से पुरानी तहसील होते हुए छावनी बाजार स्थित मंदिर परिसर पहुंची। जहां सभी बाबा के ध्वज प्रेमियों ने बाबा के चरणों में अर्पित कर बालाजी अपनी मनोकामना पूर्ण आशीर्वाद लिया। उसके बाद रिंकी खंडेलिया द्वारा लड्डू गोपाल के कूपनों में से चार लक्की ड्रॉ खोले गए। जिसमें प्रथम पुरस्कार कोमल कुमारी, दूसरा लक्की ड्रॉ रूपल पुरोहित, तीसरा ड्रॉ खुशबू सैनी व चौथा लक्की ड्रॉ इशिका खेतान के नाम से निकला। इसके अलावा अलग अलग साइज में सजाकर लेकर आई गोपालजी

खेतान मोहल्ला स्थित श्याम मंदिर से लड्डू गोपालजी व ध्वज यात्रा प्रारंभ हुई।

वालों को भी सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मनित किया गया। इस अवसर पर बालाजी महाराज के जन्मोत्सव पर सजीव बाल स्वरूप बालाजी महाराज के हाथों से मिल्क केक काटकर बाबा को भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रमोद खांडेलिया, अमिता खंडेलिया, रिंकी खंडेलिया, सुमित अग्रवाल, प्रियंका, नानूराम पंसारी, नंदलाल सोनी, खेमचंद सैन, दिनेश सुरोलिया, अनिल गाडिया, रघुनंदन दर्जी सहित बड़ी संख्या मे गणमान्य लोग शोभायात्रा के साथ थे। शोभायात्रा का शहर में जगह जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया व जगह जगह धर्म प्रेमियों द्वारा ठंडे पेय जल व पेय पदार्थ की सेवाएं की गई।

नाले की सफाई करवाने की माँग, दुकानदारों ने किया विरोध प्रदर्शन

सादुलपुर, (निसं)। कस्बे के कुरेशी मार्केट के पास मुख्य नालों की साफ-सफाई नहीं करने के कारण कीचड से अवरूद्ध हुए रास्ते को लेकर कुरेशी मार्केट के दुकानदारों ने सोमवार को नगरपालिका के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

वहीं इस संबन्ध में हासम, राजेश चंगोईवाला, सुनील कुमार, रघूवीर बैरासरिया, सुरेश जांगिड व महेन्द्र आदि ने बताया कि कुरेशी मार्केट के पास राजेश चंगोईवाला की दुकान के सामने बने नाले की गत एक माह से साफ-सफाई नहीं करवाने के कारण रास्ता अवरूद्ध हो गया है तथा मामूली बरसात के कारण अवरूद्ध नाले के कारण कीचड रास्ते में भर गया है। उन्होंने बताया कि इस संबन्ध में बार-बार नगरपालिका प्रशासन को अवगत

कुरेशी मार्केट के पास साफ-सफाई के अभाव में नाला अवरूद्ध होने के कारण दुकानदार ने रोष जताया।

करवाया जा चूका है, लेकिन नगरपालिका द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है तथा उक्त नाला पूर्णत्या बन्द होने के कारण कीचड पूरे रास्ते में बिखर गया है।

जिसके कारण दुकानदारों को होने वाली परेशानी के साथ-साथ राहगीरों को इस रास्ते से होकर गुजरना भी मुश्किल हो गया।साथ ही बताया कि इसके अलावा ना तो कुरेशी मार्केट के पास से कचरा उठाया जा रहा है और ना ही तोलाराम फीडर के पास बने सार्वजनिक शौचालयों की साफ-साफ की जा रही है। जिससे आमजन में रोष व्याप्त है।

पत्रकार के निधन पर मीडिया कर्मियों ने जताया शोक

चूरू, (कासं.)। पत्रकार अजय स्वामी के निधन पर जिले के मीडिया एवं जनसंपर्क कर्मियों ने शोक जताया है। वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र शर्मा ने कहा कि, अजय ने चूरू जिले के पत्रकारिता जगत में अपना बेहतरीन योगदान दिया।

ईश्वर शोक संतृप्त परिवार व शुभचिंतकों को यह आघात सहने की शक्ति दें, ऐसी हमारी प्रार्थना है। सहायक निदेशक जनसंपर्क कुमार अजय, एपीआरओ मनीष कुमार, देवेंद्र शर्मा शास्त्री, वरिष्ठ पत्रकार जेपी जोशी, बनवारी दीक्षित, किशन उपाध्याय, जगदीश सोनी, गिरधारी सैनी, योगेंद्र वर्मा, पीयूष शर्मा, नवरतन प्रजापत, संजय प्रजापत, मनोज शर्मा, अखिलेश दाधीच, देवराज लाटा, विजय चौहान, कौशलशर्मा, नरपालसिंह सरदारशहर, शिवनंदन शर्मा, देशदीपक किरोड़ीवाल, काशीराम शर्मा, सुशीलशर्मा, ललित चौहान, श्रवण शर्मा, डॉ मनोज योगाचार्य, महिपालसिंह, मनोज प्रजापत, नरेश पारीक, राजेंद्र शेखावत, अमित तिवारी, कुंजबिहारी बिरमीवाला, नरेश भाटी, बजरंग सैनी, शैलेंद्र सोनी, दिनेश लाटा, महेंद्र सोनी, दीपक सैनी, अशोक सोनी, मदन मोहन आचार्य, श्याम जैन, राहुलशर्मा, राजेंद्र सोनी, आत्माराम गुरु, बीरबलनोखवाल, अख्तर मुगल, नरेंद्र दीक्षित, विजय सारस्वत, ओमप्रकाश शर्मा, दुलीचंद बरोड़, मोहन लालढाका, विलियम विल्सन, रिजवान, मुरली बोचीवाल, राजकुमार नायक रतनगढ़, मनीष पांडिया, प्रशांत शर्मा, जितेश सोनी, सहायक प्रोग्रामर अभिषेक सरोवा, जसवंत सिंह, रामचंद्र गोयल, मंगेज सिंह, बजरंग मीणा, संजय गोयल, विजय रक्षक आदि ने अजय स्वामी के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

घर से लापता, राजगढ़ थाने में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ थाना पुलिस ने सोमवार को एक व्यक्ति की रिपोर्ट पर नरवासी हाल वार्ड 36 राजगढ निवासी एक व्यक्ति के घर से लापता होने पर गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज की है। थानाधिकारी पुष्पेन्द्र सिंह झाझडियां ने बताया कि दिनेश कुमार पुत्र रणसिह उम्र 52 साल जाट निवासी नरवासी हाल वार्ड नं. 36 सिद्धमुख मोड राजगढ ने हाजिर थाना होकर दी है कि मेरे पिताजी रणसिंह पुत्र मामनराम उम्र 81 साल जाट निवासी नरवासी तहसील राजगढ हाल निवासी वार्ड नं. 36 राजगढ मेरी माताजी के स्वर्गवास के पश्चात उनका मानसिक संतुलन लगभग 5-6 साल से खराब चल रहा है, जिनकी दवाई राजगढ होस्पीटल से चल रही है।

मेरे पिताजी घर में किसी से ज्यादा बात नहीं करते हमेशा अकेला रहना पसंद करते हैं अक्सर परिवार में बिना बताये 7-8 दिन के लिये इधर-उधर चले जाते हैं और वापस लौट कर आ जाते थे। परन्तु दिनांक 19 फरवरी 2०24 को वो बिना बताये घर से निकल गये तथा काफी दिन निकल जाने पर मेरे पिताजी वापस नहीं आये, तो हम घरवालो को इस बात का अहसास हुआ, तो हमने इसके पश्चात हमारी रिश्तेदारी में सब जगह पुछताछ की मगर वहां भी कहीं उनका कोई पता नहीं चला तथा सभी रिश्तेदारों से पता लगा कि मेरे पिताजी इन दिनों में वहां नहीं गये। हमने उनकेमोबाईल नं. 9166688571पर भी कॉल किया, मगर वो भी लगातार बंद आ रहा हैं। उन्होंने बताया कि मेरे पिताजी ने क मेरे पिता रणसिह की उम्र 81 साल है जिनका कद 5 फुट 5 इंच है जिसने खादी के चोला पंजामा पहने हुये हैं रंग गेहुआ है पैरो में जुते पहने हुये हैं दिनांक 19-2-2०24 से गुम है जिनकी तलाश करवायी जावे।

पृथ्वी दिवस पर लगाये परिन्दों के लिए परिण्डे

रतनगढ़,(निसं)। ताल्लुका विधिक सेवा समिति एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ, रतनगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में गढ़ परिसर में एस डी एम अमित कुमार वर्मा, तहसीलदार गिरधारी सिंह, स्थानीय संघ प्रधान संतोष कुमार इन्दौरिया, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भंवरलाल डूडी, सचिव नरेंद्र स्वामी द्वारा पृथ्वी दिवस के अवसर पर परिन्दों के लिए परिंडे लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सहायक सचिव राकेश कुमार ने बताया कि स्थानीय संघ अन्तर्गत समस्त विद्यालयों द्वारा गर्मियों में पक्षियों के लिए 2100 परिण्डे सार्वजनिक स्थलों, बगिचों एवं पेड़ों पर परिंडे लगाकर उनमें नियमित पानी देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर एडीसी विक्रम ,कुमार, नरेन्द्र मण्डार, कुलदीप , मुकेश कुमार, श्रीराम, सुबे आदि उपस्थित रहे।

स्काउट गाइड ने जिले भर में मनाया विश्व पृथ्वी दिवस

- झुंझुनूं के संस्थापक जूझारसिंह पार्क से किया परिंडा अभियान का शुभारंभ
- इस बार गर्मियों में जिलेभर में लगाए जाएंगे 11000 परिंडे

झुंझुन,(निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के निर्देश की अनुपालना में स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं एवं वारिसपुरा संकल्प सेवा संस्थान झुंझुनूं के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर परिंडा अभियान का शुभारंभ किया गया।

सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि झुंझुनूं के संस्थापक जूझारसिंह पार्क से मूक पक्षियों के लिए परिंडा अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान जूझारसिंह पार्क, अंबेडकर पार्क, शहीद स्मारक, नेहरू गार्डन, शहीद करणीराम एवं रामदेव पार्क तथा शहीद जेपी जानूं पार्क, स्काउट गाइड कार्यालय परिसर में पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर आमजन में यह संदेश दिया गया कि चिलचिलाती गर्मी में मूक पक्षियों के लिए सभी अपने-अपने घरों पर एक-एक परिंडा लगाकर इनका संरक्षण एवं संवर्धन करें। सीओ कालावत ने बताया कि इस अवसर पर वारिसपुरा संकल्प सेवा संस्थान की सचिव बबिता चौधरी के सौजन्य से पक्षियों के लिए परिंडे उपलब्ध करवाए गए। बबिता चौधरी ने बताया कि यह अभियान पूरी गर्मियों के दौरान चलेगा तथा पक्षियों के लिए चुग्गा पात्र भी लगाए जाएंगे। इस अभियान में सीओ गाइड सुभिता महला, संस्था प्रधान प्रतिनिधि डॉ. नवीन ढाका, प्रकाश महला, वारिसपुरा सेवा संस्थान की सचिव बबिता चौधरी, वरिष्ठ स्काउट मास्टर ताराचंद यादव, रामदेव सिंह गढ़वाल, मैसेंजर ऑफ पीस के जिला कोर्डिनेटर विजय गर्वा, कब मास्टर सुनिल कुमार, रोवर मेट मोहम्मद जाबिर एवं शेर सिंह उपस्थित रहे।

स्काउट गाइड ने जिले भर में मनाया विश्व पृथ्वी दिवस सीओ कालावत ने बताया कि विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जिले भर में पोस्टर, निबंध, भाषण, मटके पर पेंटिंग एवं मुखौटे बनाने की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान विभिन्न इको क्लब विद्यालयों के स्काउट्स गाइड्स कब बुलबुल द्वारा जगह-जगह पौधारोपण कर परिंडे लगाकर विश्व पृथ्वी दिवस मनाकर पृथ्वी के संरक्षण एवं संवर्धन का प्रण लिया गया। इस दौरान स्थानीय संघ झुंझुनूं, बुहाना, मान नगर, मंडावा, खेतड़ी, अलसीसर, नवलगढ़, गुढ़ागौड़जी, चिड़ावा, पिलानी, सूरजगढ़, खेतड़ी, उदयपुरवाटी में स्काउट गाइड संगठन के माध्यम से विभिन्न इको क्लब विद्यालयों ने पृथ्वी दिवस के अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इनमें ज्योति विद्यापीठ सीनियर सैकेंडरी स्कूल बगड़ में चिरंजीलाल सैनी, किरण सैनी, बंशीलाल के नेतृत्व, जीबी मोदी पब्लिक स्कूल झुंझुनूं में प्रधानाचार्या रंजना मित्तल के नेतृत्व में, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भड़ौंदाखुर्दमें प्रधानाचार्याप्रवीण नेतृत्व में उल्लेखनीय कार्य किया गया।

महावीर जयंती पर प्याऊ का शुभारंभ हुआ

झुंझुनूं,(निसं)। महावीर इंटरनेशनल सनराइज केंद्र झुंझुनूं द्वारा महावीर जयंती के पावन पर्व पर डॉ. एसएन शुक्ला के सौजन्य से भीषण गर्मी को देखते हुए जीव दया के अंतर्गत गुरु कृपा स्कूल के पास पार्क में राहगीरों एवं पार्क में आने वाले लोगों को शुद्ध शीतल जल उपलब्ध हो सकेगा।

कार्यक्रम में डॉ. एसएन शुक्ला, अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्यामसुंदर जालान, रीजन सेक्रेटरी महेश कुमार मूंड, रीजन ट्रेजरार देवेंद्र कुमार गौड़, एनआरआई मुबारक अली पहाड़ियान, रमेशचंद्र शर्मा, मोहम्मद फहीम सिद्दीकी, रमजान टेलर, भरत कुमार तुलस्यान, चंद्रप्रकाश शुक्ला, रामावतार शर्मा, सुरेंद्र कुमार शर्मा, प्रभुदयाल शुक्ला, प्रदीप शुक्ला, विकास शुक्ला, सीताराम सैनी, सुनील तुलस्यान एवं काफी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित रहे।

विराट कोहली और रोहित शर्मा को भारत के लिए इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में पारी की शुरुआत करना चाहिए। विराट कोहली 40 बॉल पर 100 रन भी बना सकते हैं।

- सौरव गांगुली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

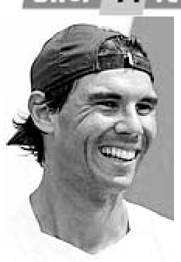

राफेल नडाल

महान टेनिस खिलाड़ी रफेल नडाल ने कहा कि वह सितंबर में बर्लिन में लीवर कप में खेलेंगे जो 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन के आखिरी टूर्नामेंटों में से एक हो सकता है। नडाल ने संकेत दिया है कि उन्होंने पिछले हफ्ते बार्सीलोना ओपन में एलेक्स डि मिनोर के खिलाफ दूसरे दौर में हार के बाद कहा था कि यह शायद यहां उनका आखिरी मैच था। इस साल 20-22 सितंबर तक आयोजित होने वाला लीवर कप एक इनडोर हार्डकोर्ट पुरुष प्रतियोगिता है जो गोल्फ के राइडर कप के समान प्रारूप में विश्व टीम और यरोप टीम के बीच खेली जाती है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1988 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

जायसवाल के शतक और संदीप के पंजे से हारा मुंबई

राजस्थान की लगातार तीसरी जीत, मुंबई को 9 विकेट से हराया

जयपुर, 22 अप्रेल। राजस्थान रॉयल्स ने -2024 में दूसरी बार लगातार तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने सीजन के 38वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 9 विकेट से हराया। यह राजस्थान की 17वें सीजन में 7वीं जीत रही, इसी के साथ रॉयल्स की टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंच गई। दूसरी ओर मुंबई ने 5वां मुकाबला गंवाया।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सोमवार को मुंबई ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 179 रन बनाए। राजस्थान ने 180 रन का टारगेट 18.4 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया।

से ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 60 बॉल पर नाबाद 104 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने 9 चौके और 7 छक्के जमाए। जोस बटलर ने 35 और कप्तान संजू सैमसन ने नाबाद 38 रन का योगदान दिया। से पीयूष चावला को एक विकेट मिला। मुंबई से तिलक वर्मा ने 45 बॉल पर 3 छक्कों से सजी 65 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि नेहल वाधेरा 49 रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद नबी ने 23 रन का योगदान दिया। राजस्थान की ओर से संदीप शर्मा ने 5 विकेट झटके। ट्रेंट बोल्ट को 2 विकेट मिले। युजवेंद्र चहल ने एक विकेट लिया।

आज यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने रोहित शर्मा (6) का विकेट गवां दिया। अगले ही ओवर में इशान किशन बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गये। सूर्यकुमार यादव (10) रन बनाकर आउट हुये। उसके बाद तिलक वर्मा और मोहम्मद नबी ने पारी को संभालने का प्रयास किया।

नबी ने 17 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 23 रन बनाये। उन्हें चहल ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। नेहाल वढेरा ने तिलक के साथ पांचवें विकेट लिये 99 रनों की साझेदारी कर टीम के स्कोर को मजबूती दी। नेहाल वढे रा ने 24 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 49 रन बनाये। उन्हें बोल्ट ने संदीप के हाथों कैच आउट कराया। कप्तान हार्दिक पंड्या (10) को आवेश खान ने पगबाधा आउट किया। तिलक वर्मा ने 45 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए 65 रनों की पारी खेली। टिम डेविड (तीन) रन बनाकर आउट हुये। पीयूष चावला (1) और जसप्रीत बुमराह (2) रन बनाकर नाबाद रहे। संदीप शर्मा की घातक गेंदबाजी मुंबई की टीम को निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 179 रन का स्कोर रोक दिया।

शतरंज में ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने रचा इतिहास

17 साल की उम्र में तोड़ा 40 साल पुराना रिकॉर्ड

डी. गुकेश की सफलता पर पीएम मोदी ने दी बधाई

टोरंटो, 22 अप्रेल। टोरंटो में चल रही कैंडिडेट्स शतरज टूर्नामेंट में भारत की 17 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने इतिहास रच दिया है। वह वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब के सबसे युवा चैलेंजर बन गए हैं, साथ ही उन्होंने 40 साल पुराना गैरी कास्पोरोव का रिकॉर्ड भी धस्त कर डाला। गुकेश ने 14वें और आखिरी दौर में अमेरिका के हिकारू नकामूरा से ड्रॉ खेला। वर्ल्ड चैंपियनशिप के चैलेंजर का निर्धारण करने वाले इस टूर्नामेंट में उनके 14 में से 9 अंक रहे। अब वह साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैम्पियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देंगे। चेन्नई के रहने वाले गुकेश ने कास्पोरोव का रिकॉर्ड भी तोड़ा। कास्पोरोव 1984 में 22 साल के थे जब उन्होंने रूस के ही अनातोली कारपोव को विश्व चैम्पियनशिप खिताब के लिये चुनौती दी थी।

टोरंटो में प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर अपना नाम इतिहास में दर्ज कराने वाले ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को पीएम मोदी ने दी बधाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें भावी विश्व चैंपियन बताया है। बता दें कि, गुकेश ने अमेरिका के हिकारू नकामूरा से आखिरी दौर में ड्रॉ खेलकर टूर्नामेंट जीता और 17 वर्ष की उम्र में सबसे युवा विश्व चैलेंजर भी बन गए।

वह यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीतने वाले विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे भारतीय बन गए। पांच बार के विश्व चैम्पियन आनंद ने 2014 में खिताब जीता था। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि, भारत को फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने डी गुकेश पर गर्व है।

उन्होंने गुकेश की तस्वीर साथ में पोस्ट करते हुए लिखा कि, टोरंटो में हुए टूर्नामेंट में गुकेश की शानदार उपलब्धि उनकी असाधारण प्रतिभा और समर्पण की द्योतक है। उनके असाधारण प्रदर्शन और शीर्ष तक के सफर से लाखों को प्रेरणा मिलेगी। वहीं विश्वनाथनआनंद ने एक्स पर लिखा कि, डी गुकेश को सबसे युवा चैलेंजर बनने पर बधाई। आपकी उपलब्धि पर गर्व है। मुझे निजी तौर पर तुम पर बहुत गर्व है जिस तरह से तुमने कठिन हालात में खेला। इस पल का मजा लो।

चैम्पियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने लिखा कि, क्या शानदार जीत। सत्रह बरस की उम्र में फिडे कैंडिडेट्स जीतने वाला सबसे युवा खिलाड़ी। यहां से अब विश्व चैम्पियनशिप का सफर और हर कदम पर हम तुम्हारे साथ हैं। जाओ इतिहास रच दो। इंग्लैंड के ग्रैंडमास्टर डेविड होवेल ने कहा कि गुकेश के खिलाफ पहला मुकाबला खेलने के बाद ही उन्हें पता चल गया था कि अपार प्रतिभा का धनी यह खिलाड़ी बड़ी उपलब्धियां अर्जित करेगा।

महिला वर्ग में दूसरे स्थान पर रही भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने लिखा, '' डी गुकेश को सबसे युवा चैलेंजर बनने पर बधाई।'' द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच रामाचंद्रन रमेश ने कहा ,'' युवा डी गुकेश को कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने पर बधाई। प्रेरक प्रदर्शन। पूरे देश को तुम पर गर्व है। भारत के 17 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टोरंटो कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया और वर्ल्ड खिताब के लिए सबसे काम उम्र के चैलेंजर बन गए। नवंबर में ताज के लिए उनका मुकाबला मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन से होगा।

2024 कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर, डी गुकेश ने 48,000 यूरो यानी करीब 42.6 लाख रुपये जीते। उन्होंने प्रत्येक आधे अंक के लिए 3.500 यूरो और जमा किए। चूंकी वह 9 अंकों के साथ समाप्त हुआ, इसके चलते उनके पास अतिरिक्त 63,000 यूरो यानी 56 लाख रुपये आए हैं। कुल मिलाकर उन्होंने 98 लाख की ईनामी राशि जीती।

विटैलिटी काउंटी चैम्पियनशिप में करुण नायर ने जड़ा दोहरा शतक

नॉर्थेप्टनशायर, 22 अप्रैल। विटैलिटी काउंटी चैंपियनशिप में ग्लमॉर्गन के खिलाफ करूण नायर के नाबाद दोहरे शतक की बदौलत नॉर्थेंपूटनशायर ने मैच पर अपनी स्थित मिजबूत पकड़ बना ली है। भारत के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज करूण नायर ने 253 गेंद में नाबाद 202 रन बनाए। उनके दोहरे शतक के बाद टीम ने 334 रनों की बढ़त के साथ छह विकेट पर 605 रन पर पारी घोषित की। नायर ने छठे विकेट के लिए सैफ जैब के साथ 212 रनों की साझेदारी की। इस दौरान जैब ने भी अपने इस सत्र का पहला शतक बनाया। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज रिकार्डो वासकॉनसेलोस ने भी 182 रनों की बेहतरीन पारी खेली। मेहमान टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक 104 रन पर तीन विकेट गंवा दिए है।

भावेश, सिमरनप्रीत ने 25 मीटर पिस्टल ओलंपिक चयन ट्रॉयल जीता

दुंबई, 22 अप्रेल। भावेश शेखावत और सिमरनप्रीत कौर बरार ने पहले ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) में पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में ओएसटी 2 जीत लिया है।

चोटिल मिचेल मार्श आईपीएल से हुए बाहर

नयी दिल्ली, 22 अप्रैल। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से बाहर हो गये है। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने सोमवार को यहां कहा कि ऑलराउंडर मिचेल मार्श आईपीएल 2024 के शेष भाग में हिस्सा नहीं लेंगे। मार्श फिलहाल दाहिनी हैमस्ट्रिंग की समस्या से उबर रहे हैं। इस चोट से उबरने के बाद वह भारत नहीं लौटेंगे और ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे।

मार्श क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के चिकित्सीय दल से परामर्श करने के लिए 12 अप्रैल को पर्थ वापस चले गए थे। आईपीएल में वह वापसी करेंगे या नहीं करेंगे, इस फैसले को लेने में थोड़ी देर हुई, क्योंकि मार्श को ठीक होने और उनकी चोट को पुनर्मूल्यांकन करने के लिए पर्याप्त समय दिया जा रहा था।

पोंटिंग ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह वापस आएंगे। सीए चाह रहा था कि मार्श की चोट की रिकवरी ऑस्ट्रेलिया में ही हो। इसी कारण से हमने उन्हें वापस घर भेज दिया था। सीए के मेडिकल स्टाफ कुछ हफ्तो से उनके रिहैब पर काम कर रहे हैं। मैंने मार्श से हाल ही में बात की थी और ऐसा लगता है कि उस चोट से उबरने में उन्हें अपेक्षा से अधिक समय लग रहा है। हालांकि मुझे लगता है कि वह टी-20 विश्व कप से पहले ठीक हो जाएंगे।

ऐसा माना जा रहा कि मार्श आगामी टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे। मार्श ने इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेले चार मैचों में 61 रन ही बनाए। तीन पारियों में उनका उच्च स्कोर 23 का था। इसके अलावा उन्होंने आठ ओवर की गेंदबाजी करते हुए, 12.87 की इकॉनमी रेट से एक विकेट लिया।

एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ.भण्डारी को नोटिस

मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एन.ओ.सी. का मामला

- सोटो के संयुक्त निदेशक रहे डॉ. मेहता को भी नोटिस जारी किया
- सोटो के माध्यम से हुए प्रत्यारोपण की मांगी पूरी जानकारी
- एसएमएस अस्पताल अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा से भी स्पष्टीकरण मांगा
- उच्च स्तरीय जांच समिति ने की कार्रवाई

जयपुर। मानव अंग एवं ऊत्तक प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओसी जारी होने के मामले में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. सुधीर भण्डारी, स्टेट ऑर्गन एण्ड ट्श्यिू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन के संयुक्त निदेशक रहे डॉ. अमरजीत मेहता एवं सवाई मानसिंह अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा को नोटिस जारी कर प्रत्यारोपण से जुड़ी सूचनाएं मांगी हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग इस मामले को लेकर एक्शन मोड में है। अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह प्रकरण में निरंतर गहन मॉनिटरिंग कर रही है। उनके निर्देशों के बाद चिकित्सा शिक्षा आयुक्त की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति ने जांच प्रक्रिया को तेज कर दिया है। सोमवार को समिति ने प्रकरण में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. सुधीर भण्डारी, स्टेट ऑर्गन एण्ड ट्श्यिू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन के संयुक्त निदेशक रहे डॉ. अमरजीत मेहता एवं सवाई मानसिंह अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा को नोटिस जारी किए है।

चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान की ओर से डॉ. सुधीर भण्डारी को नोटिस में उनके एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य पद के कार्यकाल के दौरान आयोजित राज्य स्तरीय प्राधिकार समिति की बैठकों, उनमें लिए गए निर्णयों, जारी किए गए अनापत्ति प्रमाण पत्रों से संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया है। नोटिस में डॉ. भण्डारी से पूछा गया है कि सोटो के गठन के लिए एनओटीपी गाइडलाइन के अनुसार चैयरमेन का पद स्वीकृत नहीं है, लेकिन उनके द्वारा प्रधानाचार्य पद से हटने के बाद भी सोटो चैयरमेन के रूप में पत्राचार किया गया है। सोटो राजस्थान में उनकी भूमिका, कार्य प्रणाली, सोटो वेबसाइट के संधारण एवं मॉनिटरिंग के संबंध में पूरी जानकारी मांगी गई है।

इसी प्रकार सोटो राजस्थान के सुगम कार्य संचालन, प्लानिंग एवं नेशनल ऑर्गन ट्श्यिू ट्रांसप्लांट प्रोग्राम गाइडलाइन के अनुसार गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए गठित की गई स्टीयरिंग कमेटी, उनमें नामित होने वाले सदस्यों के बारे में भी उनसे जानकारी मांगी गई है।

सोटो के कार्य क्षेत्र व गाइडलाइन की पालना के संबंध में वस्तुस्थिति से अवगत कराने को कहा गया है। राज्य में किए जा रहे मानव अंग प्रत्यारोपण के डोनेशन एवं ट्रांसप्लांट की सूचना सोटो के माध्यम से नेशनल रजिस्ट्री पर साझा किया जाना अपेक्षित है। डॉ. भण्डारी से इस संबंध में सोटो के माध्यम से हुए सभी प्रकार के मानव अंग प्रत्यारोपण की सूचना दस्तावेज के साथ उपलब्ध करवाने को कहा गया है। वहीं डॉ. अमरजीत मेहता को जारी नोटिस में सभी जानकारी मय दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त 7 मई, 2022 से अब तक स्टीयरिंग कमेटी द्वारा किए गए कार्यों का विवरण भी मांगा गया है।

इसी प्रकार चिकित्सा अधीक्षक को जारी नोटिस में कहा गया है कि एसएमएस अस्पताल में नजदीकी रिश्तेदारों तथा पति-पत्नी के बीच होने वाले अंग प्रत्यारोपण की अनुमति के लिए चिकित्सा अधीक्षक की अध्यक्षता में कॉम्पीटेंट अथॉरिटी का गठन किया गया था। समिति ने विगत एक वर्ष में इस समिति की बैठक कब-कब आयोजित की।

इन बैठकों के बाद इस साल मार्च तक जारी एनओसी का विवरण भी उपलब्ध करवाने को कहा गया है। साथ ही, अधीक्षक से पूछा गया है कि मापव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम के तहत निकट रिश्तेदारों से भिन्न व्यक्तियों के बीच प्रत्यारोपण का राज्य स्तरीय प्राधिकार समिति द्वारा अनुमोदन आवाश्यक है।

इन प्रत्यारोपण के लिए राज्य प्राधिकार समिति से अनुमति प्राप्त की गई अथवा नहीं। अगर अनुमति नहीं ली गई तो समिति के क्षेत्राधिकार के बाहर प्रत्यारोपण किस आधार पर हुए। चिकित्सा अधीक्षक को इन सभी बिंदुओं का जवाब तीन दिन में प्रस्तुत करना होगा।

सरकारी गेहूं खरीद को बढ़ाने के लिये कदम उठाने के निर्देश

केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति सचिव संजीव चौपड़ा की अध्यक्षता में सोमवार को एफसीआई एवं राज्य सरकार के अधिकारियों के बीच समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

जयपुर, (का.सं.)। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चौपड़ा ने बताया कि हरियाणा में राजस्थान के बराबर ही गेहूं उत्पादन होता है, परंतु राजस्थान में सरकारी गेहूं की खरीद हरियाणा से काफी कम है। खाद्य सचिव ने इस बिंदु पर विशेष जोर देते हुए राजस्थान में सरकारी गेहूं खरीद को बढ़ाने के लिये आवश्यक कदम उठाने के लिये निर्देश जारी किये गये।

केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति सचिव संजीव चौपड़ा की अध्यक्षता में सोमवार को एफसीआई एवं राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ राजस्थान क्षेत्र में रबी विपणन वर्ष 2024-25 के तहत की जा रही गेहूं खरीद तथा केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न खाद्य योजनाओं एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में खाद्यान्न वितरण की समीक्षा बैठक की गई है। बैठक में सभी गेहूं खरीद एजेंसियों को निर्धारित खरीद लक्ष्य को पूरा करते हुए अधिकतम किसानों को लाभांवित करने पर जोर दिया गया।

खाद्य सचिव, भारत सरकार द्वारा चाकसू तहसील में राशन की दुकान का भी निरीक्षण कर खाद्यान्न वितरण व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित लाभार्थियों से संवाद भी किया। उन्होंने चाकसू में राजफेड की ओर से संचालित गेहूं खरीद केंद्र का निरीक्षण किया और राजफेड अधिकारियों को किसी भी स्थिति में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद योजना का अधिकाधिक प्रचार करने तथा सभी किसानों तक इस योजना की जानकारी पहुंचना सुनिश्चित करने के लिये निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान एफसीआई तथा राज्य सरकार के अधिकारी भी मौजूद रहे।

वरिष्ठ चिकित्सक व एन.एन.एम. निलंबित

- नैनवां में अस्पताल के बाहर बैंच पर प्रसव का मामला
- पीएमओ को हटाया, अन्य नर्सिंग स्टाफ को 17 सीसीए के तहत नोटिस
- अतिरिक्त मुख्य सचिव ने मामले में गंभीरता दिखाते हुए जिला कलेक्टर से पूरे प्रकरण की जानकारी ली
- एसडीएम व जांच कमेटी की रिपोर्ट पर एक्शन लिया

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने बूंदी जिले के नैनवां उपजिला चिकित्सालय में एक महिला का बैंच पर प्रसव होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई की है। प्रकरण में एक वरिष्ठ चिकित्सक एवं एक एएनएम को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

वहीं पीएमओ नैनवां को पद से हटा दिया गया है। एक चिकित्सक के विरूद्ध 16 सीसीए के तहत विभागीय जांच प्रस्तावित की गई है। अन्य कार्मिकों को 17 सीसीए के तहत नोटिस दिए गए हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तुरंत प्रभाव से कोटा जोन के संयुक्त निदेशक, उपनिदेशक तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बूंदी को शामिल कर एक जांच कमेटी गठित की थी। साथ ही, जिला कलेक्टर बूंदी से प्रकरण की जानकारी ली और नैनवा उपखण्ड अधिकारी से भी रिपोर्ट मांगी गई। जिला कलेक्टर से मिली जानकारी, जांच कमेटी एवं उपखण्ड अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए चिकित्सकों एवं अन्य कार्मिकों पर विभाग ने सख्त एक्शन लिया है।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि प्रकरण में ड्यूटी पर उपस्थित वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. मुरारीलाल मीणा एवं एएनएम कुसुमलता शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनका मुख्यालय निदेशालय, जयपुर किया गया है।

साथ ही पर्यवेक्षणीय लापरवाही का दोषी मानते हुए पीएमओ नैनवां डॉ. समुन्दर लाल मीणा को हटाकर उनके स्थान पर वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार को उनका चार्ज दिया गया है।

डॉ. माथुर ने बताया कि प्रकरण में अन्य नर्सिंग स्टाफ गायत्री मीणा, केला देवी मीणा, शिवदत्त, कौशल्या गुर्जर एवं हेमन्त महावर को सीसीए नियम 17 के तहत नोटिस दिए गए हैं।

अनाधिकृत निजी अस्पतालों पर कसेगा शिकंजा

जयपुर। चिकित्सा विभाग प्रदेश में अनाधिकृत रूप से संचालित निजी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए ऑपरेशन ब्लैक थंडर चलाएगा। इसके लिए संभाग स्तर पर समस्त संयुक्त निदेशक, जोन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही, जिला स्तर पर इस ऑपरेशन के लिए कमेटी गठित की जाएगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य शुभ्रा सिंह ने बताया कि विभाग को प्रदेश में ऐसे अनाधिकृत निजी अस्पताल संचालित होने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमें एक भी एलोपैथिक चिकित्सक नहीं है और मनमाने ढंग से इनका संचालन कर आमजन के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

चिकित्सा विभाग ऐसे अस्पतालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई अमल में लाएगा। इसके लिए प्रदेशभर में ऑपरेशन ब्लैक थंडर चलाया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को अजमेर मैडिकल कॉलेज सभागार में भाजपा के सामाजिक संवाद कार्यक्रम में शामिल हुये। वहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि, पशुधन हमारे देश की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा गुर्जर समाज खेती एवं पशुधन के जरिये देश के लिए अन्न एवं दूध की पूर्ति करता है।

'देश की अर्थव्यवस्था में गुर्जरों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है'

मु.मंत्री भजनलाल ने यह भी कहा कि, गुर्जर खेती करके अन्न की पूर्ति करते हैं तो पशुधन से दूध की आपूर्ति भी करते हैं

- **मुख्यमंत्री ने अजमेर मैडिकल कॉलेज के डॉ. भीमराव अम्बेडकर सभागार में सामाजिक संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि, राजस्थान में भाजपा सरकार ने सभी विधायकों को 9-9 करोड़ रूपए दिए हैं ताकि वे अपने क्षेत्र में सड़क, अस्पताल व स्कूल की मरम्मत करा सकें।**

अजमेर, 22 अप्रेल (कासं)। भारतीय जनता पार्टी संस्कृति विचारों और सिद्धान्तों पर चलती है। देश में समानता का व्यवहार ही हमारी पहचान है। भारतीय जनता पार्टी का एक ही नारा है, सबका साथ सबका विकास, इसी आधार पर हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने सभी वर्गों को ध्यान में रखकर कई कल्याणकारी योजनाएं बनाईं जो आज धरातल पर हैं, देश का हर नागरिक सुखी है।

मेडिकल कॉलेज के डॉ. भीमराव अम्बेडकर सभागार में आयोजित सामाजिक संवाद कार्यक्रम में सोमवार को जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ये विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, पशुधन हमारे देश की अर्थव्यवस्था में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता निभाता है। गुर्जर समाज पशुधन के जरिए तथा खेती करके अन्न की पूर्ति करता है और धरती मां की सेवा करता है।

मु.मंत्री ने कहा, भारतीय जनता पार्टी की सरकार केन्द्र में रहे या राज्य में हमेशा गुर्जर समाज को सम्मान देने का काम किया है। कांग्रेस ने झूठी घोषणाएं की हैं परन्तु कभी भी किसी को पूरा नहीं किया है। किसान निधि देकर किसानों का सम्मान, बुजुर्गों के लिए समाजिक सुरक्षा पेंशन, गैस सिलेण्डर, पानी और सड़क की समस्या भगवान देवनारायण योजना, प्रधानमंत्री सड़क योजना, ये सभी भारतीय जनता पार्टी ने किए हैं। प्रधानमंत्री ने देश के विकास में कोई कमी नहीं रखी है। मुख्यमंत्री सुरक्षा और जनता का ध्यान रखा और संसार में देश का गौरव बढ़ाया है। राजस्थान में भाजपा की सरकार बनते ही हर विधायक को 9 करोड़ रुपए दिए ताकि विधायक अपने क्षेत्र में सड़क, अस्पताल, विद्यालय सही करवा सकें। हमारी सरकार बनते ही किसान सम्मान निधि 8000 रुपए कर दी गई, समाजिक सुरक्षा पेंशन 150 रुपए बढ़ा दी गई। जहां अन्नपूर्णा योजना में आम आदमी को 400 ग्राम राशन मिलता था उसे बढ़ाकर 600 ग्राम कर दिया, पेट्रोल-डीजल के दाम घटाए गए और भविष्य में भी भाजपा सरकार जन कल्याण का कार्य करेगी।

कांग्रेस पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि, राजस्थान और मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार ने ई.आर.सी.पी. योजना के आपसी विवाद कोर्ट में पहुँचा दिए परन्तु राजस्थान में भाजपा सरकार आते ही प्रधानमंत्री के सानिध्य में समझौता हुआ, जिससे राजस्थान के कई जिलों को पेयजल और सिंचाई के लिए पानी अतिशीघ्र मिलने लगेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, आगामी 26 तारीख को लोकतंत्र का महापर्व है, आप भाजपा के उम्मीदवार भागीरथ चौधरी का समर्थन करें। आप सभी गांव, शहर गली, मौहल्ले अड़ोस पड़ोस रिश्तेदार, मित्रों से बातचीत कर भाजपा के पक्ष में मतदान कराएं। इस दौरान मंच पर गृहराज्यमंत्री जवाहर सिंह बैडम, विधायक अनिता भदेल, जिलाध्यक्ष रमेश सोनी, अध्यक्ष देवनारायण बोर्ड, ओमप्रकाश भड़ाना, महापौर बृजलता हाड़ा, सह संयोजक अजमेर लोकसभा धर्मेन्द्र गहलोत, उप महापौर नीरज जैन, जिला महामंत्री संपत्त सांखला, धर्मेश जैन उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के खिलाफ 17 शिकायतें लेकर चुनाव आयोग पहुँची कांग्रेस

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से प्रधानमंत्री मोदी के कथित नफरती भाषण पर विशेष रूप से कार्रवाई करने का अनुरोध किया

- **कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग के समक्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला की आई.ए.एस. पुत्री अंजली बिड़ला का भाजपा की ओर से चुनाव प्रचार करने, सूरत लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन रद्द करने और मणिपुर में लोकसभा चुनाव में मतदान के दौरान हिंसा का मामला भी उठाया है।**

नई दिल्ली 22 अप्रैल (वार्ता) कांग्रेस ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शिकायत की और एक विशेष समुदाय को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज यहां निर्वाचन आयोग से मुलाकात की और 17 शिकायतों का एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में गुरदीप सिंह सप्पल और सुप्रिया श्रीनेत शामिल थे।

मुलाकात के बाद सिंघवी ने संवाददाताओं से कहा कि, निर्वाचन आयोग को 17 शिकायतों का एक ज्ञापन सौंपा गया और इनपर उचित कार्रवाई की मांग की गयी। उन्होंने बताया कि, प्रतिनिधिमंडल ने पांच-छह शिकायतों पर विशेष रुप से विस्तृत चर्चा की।

कांग्रेस नेता ने बताया कि, निर्वाचन आयोग के समक्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) पुत्री श्रीमती अंजली बिरला का भारतीय जनता पार्टी की ओर से चुनाव प्रचार करने, सूरत लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन रद्द करने और मणिपुर में लोकसभा चुनाव में मतदान के दौरान हिंसा का मामला भी उठाया गया।

उन्होंने कहा कि, केंद्र सरकार के मुख्य कार्यकारी एक समुदाय को निशाना बना रहे हैं। उनका बयान गंभीर और आपत्तिजनक है और इसे वापस लिया जाना चाहिए और इस पर स्पष्टीकरण जारी किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि, निर्वाचन आयोग से इस बयान पर कानूनी रूप से कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया। उन्होंने कहा कि, देश के प्रधानमंत्री ने राजस्थान में जिस तरह एक समुदाय के लिए भद्दा वक्तव्य दिया, वे आचार संहिता का उल्लंघन है।

चुनाव आयोग को इसपर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इस बयान से देश के संविधान, प्रधानमंत्री पद, चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा हो गया है।

उन्होंने कहा कि, भाजपा सरकार ने गुजरात समेत कई राज्यों में तस्वीरें लगाई हैं, जो सिर्फ धर्म पर आधारित हैं।

कांग्रेस नेता ने बताया कि, पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी कर्नाटक के उस क्षेत्र में चुनाव प्रचार करेंगे, जिसमें चुनाव नहीं हुआ है। इसके लिए आयोग से अनुमति मांगी गयी है।

उन्होंने कहा कि, सूरत लोकसभा क्षेत्र में चुनाव के एक दिन पहले कांग्रेस के एक साथ चार प्रस्तावक कहते हैं कि, हस्ताक्षर हमारे नहीं हैं और लापता हो जाते हैं। सीट सभी प्रत्याशी अपना नामांकन वापस ले लेते हैं। ऐसे में सूरत सीट का चुनाव स्थगित किया जाना चाहिए।

कलकत्ता हाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जो इन नियुक्तियों का विरोध कर रहे हैं, उनकी संख्या बहुत ज्यादा है। फैसले ने यह साबित कर दिया है कि तृणमूल के नेता और उनकी राजनीतिक बुनियाद कितनी भ्रष्ट रहती आयी है। तृणमूल कांग्रेस ने इस फैसले को रूकवाने और रद्द करवाने के लिए प्रत्येक पैतरा अपनाया था। उसने सरकार के कोष की कीमत पर अभिषेक मनु सिंघवी जैसे हाई प्रोफाइल एडवोकेट को अपना वकील बनाया था। विपक्ष की सभी पार्टियों ने इन आदेशों को रद्द करवाने के सरकार के प्रयासों की कड़ी निंदा की है। अब पश्चिम बंगाल सरकार की हालत पतली है और विपक्षी पार्टियां उसकी गलतियों को भुनाना चाहती है।

विदेशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था, और इसके साथ ही नवम्बर 2023 के दौरान मध्य प्रदेश व राजस्थान प्रदेश के चुनावों के दौरान भी आया था, जो सफल रहा था। यह कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी के 43 वें स्थापना दिवस पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा द्वारा "भाजपा को जाने" के बारे में शुरु की गई एक पहल का हिस्सा है। भाजपा के विदेश मामलों के प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले के अनुसार भाजपा की योजना है कि आगे आने वाले आम चुनावों के अगले चरण में भी ऐसे प्रतिनिधिमंडलों को चुनावों का अनुभव कराएगी।

राज्य सरकार ने पी.एम. केयर्स फंड संबंधी केस वापस लिया

- **राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने कहा कि, केस सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के योग्य नहीं है।**
- **पी.एम. केयर्स फंड का गठन कोविड-19 के दौरान किया गया था, राज्य सरकार ने 28 मार्च 2020 को सुप्रीम कोर्ट में इसके खिलाफ केस दायर किया था।**

जयपुर, 22 अप्रेल (का.सं.)। प्रदेश की राज्य सरकार ने, केन्द्र सरकार के खिलाफ कोविड-19 के दौरान पी.एम. केयर्स फंड से जुड़ा केस सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से वापस ले लिया।

राज्य के एटॉर्नी जनरल, शिवमंगल शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि, उन्होंने राज्य सरकार को राय दी थी कि, यह मामला सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल सुनवाई के लिए चलने योग्य नहीं है। इसलिए राज्य सरकार से विचार-विमर्श के बाद अब सरकार इस केस को वापस लेना चाहती है। इसलिए अदालत केस को वापस लेने की अनुमति दे। जिस पर सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने राज्य सरकार को केन्द्र सरकार के खिलाफ 2020 में दायर इस केस को वापस लेने की मंजूरी देते हुए राज्य सरकार की याचिका को निस्तारित कर दिया।

पी.एम. केयर्स फंड से जुड़े इस केस को वापस लेने के साथ ही केन्द्र व राज्य सरकार के बीच विभिन्न राहत कोषों के प्रबंधन व सी.एस.आर. की पात्रता को लेकर चल रहा विवाद भी खत्म हो गया है। दरअसल तत्कालीन राज्य सरकार ने याचिका में 28 मार्च 2020 को जारी किए गए उस आदेश व कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के उस स्पष्टीकरण को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि, पी.एम. केयर्स फंड में दिए गए योगदान को कंपनी एक्ट 2013 के तहत सी.एस.आर. व्यय के तौर पर माना जाएगा। इसके अलावा सी.एम. राहत कोष या किसी अन्य राहत कोष में दिए गए योगदान को कोविड-19 के तहत सी.एस.आर. के व्यय के तौर पर नहीं माना जाएगा।

आंध्र प्रदेश में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संयोगवश, कोनसीमा जिला जो आज करता है, वहीं आंध्र प्रदेश कल करता है और यहां की बानगी से पता चलता है कि अधिकांश आंध्र क्या सोचता है। मुख्यमंत्री अब भी वादा कर रहे हैं, कि समाज के विभिन्न वर्गों के लिए उन्होंने जो बेजोड़ कल्याणकारी योजनाएं शुरू की थीं, उन्हें वह जारी रखेंगे। वह जब भी वोट मांगने जाते हैं, तब अपनी योजनाओं के वादे के बारे में वोटर्स का स्थान जरूर आकर्षित करते हैं।

दूसरी ओर चन्द्रबाबू नायडू राज्य में कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और भ्रष्टाचार का दाग अलापते हैं क्योंकि उनका मुख्य चुनावी एजेण्डा राज्य सरकार के घोटालों का जिक्र कर मुख्यमंत्री जगन मोहन को हटाने की वोटर्स की मांग करता है। नायडू ने कहा कि मुख्यमंत्री जगन कथित रूप से मर्डर पॉलीटिक्स में भी संलिप्त है। वह वादा करते हैं कि यदि वह सत्ता में आए तो वह मुख्यमंत्री के काले कारनामों की जांच करवाएंगे।

लेकिन आम आदमी इस बात को लेकर कुछ हद तक आश्वस्त है कि चुनावी पंडित चाहे कुछ भी कहें, अन्ततः विजय जगन मोहन रेड्डी की ही होगी, भले ही जीत का अंतर मामूली ही क्यों ना रहे। आंध्र में दोनों क्षेत्रीय पार्टियों की सत्ता प्राप्ति की ललक है, लेकिन जब 4 जून को चुनाव परिणाम घोषित होंगे तब राष्ट्रीय स्तर पर सरकार के गठन में दोनों ही भाजपा का समर्थन कर रही होंगी। भाजपा को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आंध्र प्रदेश में कौनसी पार्टी जीतती है। चाहे वह विधानसभा के स्थानीय चुनाव हों या लोकसभा के। भाजपा आंध्र प्रदेश में टी.डी.पी. और पवन कल्याण की जनसेना के साथ चुनावी गठबंधन में है।

स्थानीय मीडिया द्वारा किए गए नवीनतम ओपीनियन पोल्स के अनुसार जगनमोहन विधानसभा की कुल 175 में 110 से 120 और लोकसभा की 15 सीटें जीत रहे हैं।

केजरीवाल की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिल्ली हाई कोर्ट ने 75 हजार रूपए का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने उक्त याचिका को खारिज करते हुए कहा कि, "कानून सभी के लिए एक समान है।"

कार्यवाहक चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने "वी द पीपल ऑफ इण्डिया" नामक याचिकाकर्ता द्वारा दायर असाधारण जमानत याचिका को निरस्त करते हुए टिप्पणी की कि उक्त जनहित याचिका बिना किसी आधार के दायर की गई है।

बैंच ने कहा कि, याचिकाकर्ता ने ऐसी याचिका दायर करने के लिए केजरीवाल से किसी तरह का अनुमोदन नहीं लिया है और ना ही उसने ऐसे बयान लिए हैं जैसे कि "दिल्ली का मुख्यमंत्री गवाहों को प्रभावित नहीं करेगा।

केजरीवाल के वकील राहुल मेहरा ने भी इस याचिका का विरोध करते हुए कहा कि याचिका लोकप्रसिद्धि प्राप्त करने के लिए दायर की गई है। बैंच ने टिप्पणी की कि "उच्च पद पर आसीन व्यक्ति के विरूद्ध किसी लम्बित आपराधिक केस में असाधारण अंतरिम जमानत नहीं दी सकती। कोर्ट के न्यायिक आदेश के कारण ही कोई न्यायिक हिरासत में हैं।

एन्फोर्समेंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) ने कथित शराब नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉड्रिंग के एक केस में केजरीवाल को गत 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वह 1 अप्रैल से तिहाड़ जेल में बंद है।

सुप्रीम कोर्ट ने 14 वर्षीया दुष्कर्म पीड़िता को गर्भपात की इजाजत दी

पीड़िता 7 माह की गर्भवती है, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हाई कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया

- **बैंच ने अपने फैसला सुनाते हुए कहा, "मेडिकल बोर्ड ने स्पष्ट रूप से कहा है कि, गर्भावस्था से उस नाबालिग के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है।"**

नई दिल्ली, 22अप्रैल (वार्ता) उच्चतम न्यायालय ने असाधारण परिस्थितियों और संबंधित मेडिकल रिपोर्ट के मद्देनजर एक 14 वर्षीया दुष्कर्म पीड़िता को उसके 30 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की सोमवार को अनुमति दे दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने पीड़िता की ओर से उसकी मां द्वारा दायर याचिका पर विचार के बाद संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत पूर्ण न्याय करने की अपनी शक्ति का इस्तेमाल करते हुए यह आदेश पारित किया।

शीर्ष अदालत ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के चार अप्रैल 24 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें चिकित्सीय माध्यम से गर्भपात कराने की पीड़िता की याचिका खारिज कर दी गई थी।पीठ ने अपने फैसला सुनाते हुए कहा, "मेडिकल बोर्ड ने स्पष्ट रूप से कहा है कि, गर्भावस्था से उस नाबालिग के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है।"

बैंच ने अपना आदेश जारी करने के लिए 19 अप्रैल को इस अदालत के निर्देश पर मुंबई के सायन अस्पताल द्वारा गठित एक मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट पर भरोसा किया।

शीर्ष अदालत ने सायन अस्पताल को निर्देश दिया कि, वे नाबालिग के गर्भपात कराने के लिए चिकित्सकों की एक टीम गठित करे।

शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि, मामले में प्राथमिकी मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के तहत निर्धारित 24 सप्ताह की अवधि के बाद दर्ज की गई थी। उस नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न किया गया था और इसके बाद वे गर्भवती हो गई।इस संबंध में 20 मार्च 24 को नवी मुंबई में एक प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी।

2024 के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विजयी घोषित कर दिया। सोमवार का दिन नाम वापसी के लिए आखिरी दिन था। खुम्मानी के वैकल्पिक कंग्रेसी उम्मीदवार सुरेश पडसाला का भी नामांकन खारिज हो गया।

'प्रधानमंत्री मोदी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"घृणा फैलाने वाली" बताया। खड़गे ने कहा कि, " यह उनकी सोची समझी चुनावी रणनीति का हिस्सा है, ताकि लोगों का ध्यान भटकाया जा सके और प्रथम चरण के मतदान के बाद यह उनकी कुंठा व हताशा का परिणाम है।" ए.आई.एम.आई.एम. के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने भी एतराज जताते हुए कहा कि "सन् 2002 से मोदी की गारंटी सिर्फ यह रही है कि, मुस्लिमों को अपशब्द कहो और वोट प्राप्त करो।" शिवसेना (यु.बी.टी.) की प्रियंका चतुर्वेदी ने मोदी के भाषण को "भयंकर रूप से गुमराह करने वाला" बताया और कहा कि यह घृणास्पद व विभाजनकारी है। प्रधान मंत्री ने आज उस पंक्ति को पुनः अलीगढ़ की सभा में दोहराया और वहाँ उन्होंने कहा कि, कांग्रेस का इरादा "हमारी माताओं व बहिनों के मंगलसूत्र व सम्पत्तियों को हड़पने का है।"

भाजपा ने प्रधानमंत्री की टिप्पणियों का बचाव किया और कहा कि, मुसलमानों के खिलाफ उनकी टिप्पणियां "जनता की भावना व्यक्त करती हैं।"

चुनाव आयोग ने इस मामले में अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन ऐसे उदाहरण मौजूद हैं जब चुनाव आयोग ने पूर्व में कार्यवाही की है। 1980 के दशक का ऐसा उदाहरण मिलता है। चुनाव आयोग ने वर्ष 1987 में महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के दौरान शिव सेना के मुखिया बाल ठाकरे द्वारा "घृणा फैलाने वाले भाषण" देने के आधार पर छः वर्षों के लिए उनपर प्रतिबंध लगा दिया था।

आर.सी.ए. के चुनावों में धर्मेन्द्र राठौड़ के जरिए पैसों का भारी लेनदेन हुआ था

विधायक राजेन्द्र गुढ़ा ने लाल डायरी के हवाले से दावा किया

- **उदयपुरवाटी के विधायक राजेन्द्र गुढ़ा ने जालौर में एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में दावा किया कि, गहलोत और उनका पुत्र वैभव, भ्रष्टाचार कारनामों के कारण ई.डी. के रडार पर हैं।**
- **गुढ़ा ने कहा कि, लोकसभा चुनाव की आचार संहिता खत्म होने के बाद लाल डायरी के पन्ने खोले जाएंगे।**
- **गुढ़ा ने पेपरलीक को लेकर डोटासरा पर आरोप लगाया और कहा कि, उन्होंने अपने परिवार के सभी लोगों को अफसर बना दिया।**
- **गुढ़ा ने कहा कि, अशोक गहलोत 15 साल मुख्यमंत्री रहे, तब जालोर की याद नहीं आई, अब बेटा चुनाव में खड़ा है तो जालोर की याद आई है।**

जालोर, 22 अप्रेल (कासं)। उदयपुरवाटी के पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने सोमवार को जालोर में एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि, गहलोत सरकार में कई भ्रष्टाचार हुए तथा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने पुत्र वैभव को आर.सी.ए. का चेयरमैन बनाने में भारी भ्रष्टाचार किया है। पेपर लीक सहित अन्य कई मामलों में भ्रष्टाचार करने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व उनके पुत्र वैभव गहलोत ई.डी. की रडार पर हैं। उन्होंने कहा कि, "कांग्रेस की गहलोत सरकार को दो बार अल्पमत में बचाने वाला राजेन्द्र गुढ़ा है। मैंने कई बार सरकार को बचाने में मदद की, ताकि जनता का भला हो सके। लेकिन कांग्रेस सरकार ने हमेशा जनता को नुकसान पहुंचाने का कार्य किया।"

गुढ़ा ने कहा कि, कांग्रेस सरकार में पेपर लीक होने से आर.पी.एस.सी. का बेड़ा गर्क हो गया। इनके प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द डोटासरा ने तो आर.पी.एस.सी. को नाथी का बाड़ा समझ लिया और अपने परिवार के सारे सदस्यों को अधिकारी बना दिया। शेखावटी में यह चर्चा रही कि यदि सरकारी नौकरी में सलेक्शन करवाना है तो डोटासरा का रिश्तेदार बन जाओ। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने पुलिस व एस.ओ.जी. का जमकर दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा, लाल डायरी के राज खुलने के डर से बौखलाये पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने मेरे विरूद्ध छह-सात झूठे मुकदमे दर्ज करवा दिये। मैं लाल डायरी के अन्य पन्ने लोकसभा चुनाव के बाद आचार संहित समाप्त होने के बाद खोलूंगा।"

अशोक गहलोत के जालोर-सिरोही में डेरा जमाने पर गुढा ने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पन्द्रह साल मुख्यमंत्री रहे पर जालोर की याद नहीं आई तथा अब उनका पुत्र वैभव चुनाव में खड़ा है तो जालोर की जनता याद आई है। वैभव को जोधपुर वालों ने नकार दिया तथा वह बड़ी लीड से हारा था। वहां से हारने के बाद अब जालोर का रूख किया हैं यहां भी वह बड़ी लीड से हारेगा।"

उदयपुरवाटी के पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने जालोर के एक निजी होटल में प्रेस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुये पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने के गंभीर आरोप लगाये। गुढ़ा ने कहा कि, गहलोत ने अपने बेटे को आर.सी.ए. का चेयरमैन बनाने के लिए भारी भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने पेपरलीक केस में भी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के शामिल होने के आरोप लगाये।

लाल डायरी से वैभव के संबंध के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि आर.सी.ए. के चुनाव में धर्मेन्द्र राठौड के माध्यम से पैसों का लेन देन हुआ इस चुनाव में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री ने पिछले कार्यकाल में सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने का कार्य किया। कांग्रेस की सुप्रीमो सोनिया गांधी ने गहलोत को पन्द्रह साल राजस्थान के मुख्यमंत्री कुर्सी पर बिठाया, गहलोत ने उनको ही ठेंगा दिखा दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने हर जाति के नेता के साथ विश्वासघात किया हैं। राजपूत समाज की लीडरशीप समाप्त कर दी। देश के प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार को समाप्त करेंगे। जिसके चलते देश के दो मिस्टर जेल में है। प्रदेश में कांग्रेस राज में हुए भ्रष्टाचार के राज केन्द्र में फिर से भाजपा सरकार बनने के बाद उजागर किये जायेंगे। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत व उनके पुत्र के खिलाफ भी भ्रष्टाचार को लेकर कार्यवाही होगी।

जालोर में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आने के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री से मेरा विशेष स्नेह है। गहलोत ने मेरे विधानसभा में अच्छा खास समय दिया तथा मेरे विधानसभा को गोद भी लिया था। उसी स्नेह का कर्ज चुकाने के लिए जालोर आया हूं। उनको सी.एम. बनाने में मैंने मुख्य भूमिका निभाई है। वे मेरे नहीं हो सके, तो किसी के नहीं हो सकते। उन्हें केवल सत्ता का लालच हैं। मेरे व गहलोत के बीच झगड़ा दो -डेढ़ साल चला तथा हम दोनों एक दूसरे के आमने सामने रहे हैं। गुढा ने जनता से कहा कि, पूर्व सीएम की चिकनी चुपड़ी बातों में नहीं आये तथा वे सत्ता के लालची है। जब पूछा गया कि क्या वे सचिन पायलट के कहने पर जालोर आए है तो उन्होंने कहा नहीं मैं खुद आया हूँ। सचिन मेरा अच्छा मित्र है।

इस दौरान मुख्य सचेतक व जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग, दीपसिंह धनानी, रणजीसिंह राजपुरोहित, डिम्पल सिंह, मुकेश राजपुरोहित मौजूद रहे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600